RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 171 , सोमवार, 03 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

युवा चम्पारण महोत्सव 2026 की रूपरेखा जारी, 7 से 9 अगस्त तक होगा तीन दिवसीय आयोजन 03

नशा मुक्त युवा के लिए विकसित भारत' जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 04

14 साल की उम्र से शुरु हो गया था एली अवराम का बॉलीवुड फिल्मों... 07

संक्षिप्त समाचार

मायावती ने भतीजे आकाश के ससुर को पार्टी से निकाला

- कहा-बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे ,अब कभी वापस नहीं लेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर निकाल दिया है। उन्होंने रविवार को कहा- अशोक बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे। अब इन्हें कभी पार्टी में वापस नहीं लेंगे। मायावती ने रणधीर सिंह बेनीवाल को भी पार्टी से बाहर कर दिया। बेनीवाल बसपा में कोऑर्डिनेटर के साथ ही पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डेढ़ साल में यह दूसरा मौका है, जब मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाला है। 12 फरवरी 2025 को गुटबाजी करने पर भी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर किया था। हालांकि, छह महीने बाद सितंबर 2025 में उनकी दोबारा पार्टी में वापसी हो गई थी। अशोक सिद्धार्थ के पास तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गुजरात, छत्तीसगढ़ और दिल्ली में बसपा की जिम्मेदारी थी। मायावती ने शनिवार को उनसे इन राज्यों का जिम्मा छीन लिया था। इसके बाद सोशल मीडिया में खबरें आईं कि अशोक सिद्धार्थ को यूपी का जिम्मा दिया जा सकता है।

भरत भूषण तिवारी के लिए आंदोलन करना पड़ा भारी

- बिलौटी गांव के सरोज-पंकज त्रिपाठी पर एफआईआर दर्ज

आरा (एजेंसी)। भोजपुर के चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर के बाद आंदोलन की अगुवाई करने वाले शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी त्रिपाठी बंधु काला हिरण रखने के मामले में फंस गए हैं। इस संबंध में बिलौटी गांव निवासी सरोज त्रिपाठी और उनके भाई पंकज त्रिपाठी के खिलाफ शाहपुर थाना में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। भोजपुर वन प्रमंडल आरा प्रक्षेत्र के शाहपुर वन कार्यालय के वन पदाधिकारी श्रीनिवास सिंह के बयान पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 11, 39 और 51 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि गुप्त सूचना मिली थी कि बिलौटी गांव निवासी सरोज त्रिपाठी और उनके भाई पंकज त्रिपाठी ने अपने घर में काला हिरण रखा हुआ है।

यूपी सरकार की सर्वदलीय बैठक से सपा का बहिष्कार

- 4 दिन के विधानसभा सत्र पर विधायक रविदास भड़के

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक का सपा ने बहिष्कार कर दिया। सपा का कोई भी विधायक बैठक में नहीं पहुंचा। इससे पहले कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में सपा ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले पर चर्चा कराने की मांग की। मीटिंग के बाद सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- यूपी में 25 करोड़ लोग हैं। 4 दिनों में इतने बड़े राज्य की समस्याओं पर चर्चा करना संभव नहीं है। सरकार चाहती है कि मुद्दों पर चर्चा न हो। इसलिए सदन का सत्र छोटा रखा गया है। वहीं डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा- हम यह चाहते हैं कि विपक्ष अपने मुद्दे सदन में लाए और सरकार उनका जवाब देने के लिए तैयार है।

पत्नी के 92 वीडियो देख सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

कहा-पत्नी का किसी और के साथ अफेयर तो नहीं मिलेगा मेंटीनेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर किसी पत्नी के खिलाफ व्यभिचार (एडल्टरी) के आरोप प्रथम दृष्ट्या सही प्रतीत होते हैं, तो उसे अंतरिम भरण-पोषण नहीं दिया जा सकता। शुक्रवार को जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने राजस्थान हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि व्यभिचार से जुड़े मामले के अंतिम निपटारे तक पत्नी को भरण-पोषण से वंचित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अदालतों का यह मानना त्रुटिपूर्ण होगा कि ऐसे आरोप पर निर्णय केवल सुनवाई के अंतिम चरण में ही किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा,चूंकि, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125(4) में यह प्रावधान है कि अगर व्यभिचार का आरोप साबित हो जाता है, तो पत्नी न तो अंतरिम और न ही अंतिम गुजारा-भत्ता की हकदार होगी। इसलिए हमारा मत है कि अगर पति धारा 125(4) के तहत आवेदन करता है और शुरू में ही सबूतों के आधार पर प्रथम दृष्ट्या आरोप साबित कर देता है, तो अंतरिम गुजारा-भत्ता पर रोक लगाई जा सकती है।

सुप्रीम अदालत बोली-पेश करने होंगे ठोस सबूत

अदालत ने कहा कि व्यभिचार से जुड़े मामलों में अक्सर परिस्थिति और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की गहन जांच करनी पड़ती है, जिसमें समय लगता है। ऐसे में अंतिम फैसले तक इंतजार करना कानून की मंशा के विपरीत होगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल आरोप लगाना पर्याप्त नहीं होगा। पति को ऐसे ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश करने होंगे, जो पहली नजर में ही आरोपों की पुष्टि करते हों। बेंच ने अपने फैसले में आगे कहा गया कि ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट ने यह मानकर गलती की कि ऐसे सवाल का फैसला सिर्फ अंतिम सुनवाई के चरण में ही किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा, इस नजरिए से कानून में दी गई व्यवस्था बेकार हो जाएगी। मामले में पति ने पत्नी के खिलाफ सबूत के तौर पर कई तस्वीरें और 92 वीडियो अदालत में पेश किए थे। अदालत ने आशंका जताई कि ये सामग्री किसी निजी जासूस की मदद से जुटाई गई होगी। इसके साथ ही अदालत ने निजी जांच एजेंसियों के कामकाज को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, धारा 125(4) के अनुसार, यदि पत्नी किसी अन्य शख्स के साथ व्यभिचार में रह रही हो, या बिना किसी ठोक कारण के अपने पति के साथ रहने से इनकार करती हो, या अगर वे सहमति से अलग रह रहे हों। तो फिर वह गुजारा भत्ता या अंतरिम गुजारा भत्ता पाने की हकदार नहीं होगी।

पीएम बोले-भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा

हमें दुश्मन देश की हर प्लानिंग को करना है नाकाम

पीएम बोले-दुश्मन देश युवाओं को नशे में धकेलना चाहते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा। उन्होंने बताया कि अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के जरिए नशा मुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा।

नशा सपनों और परिवार दोनों को तोड़ देता है

पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप,एआई और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है।

ड्रग्स थोड़ी देर का हाई, लेकिन जिंदगीभर का नुकसान

ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। हमारे संतों और गुरुओं ने भी नशे से दूर रहने की सीख दी है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो नशा इंसान की बुद्धि और विवेक छीन ले, वह उसे पतन की ओर ले जाता है। नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं। किसी व्यक्ति का अतीत उसकी पहचान नहीं होता, बल्कि मुश्किलों से बाहर निकलने का उसका साहस उसकी असली पहचान होता है। देश में नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त की जा रही है और कार्रवाई पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले देशभर के युवाओं ने एक साथ नशा मुक्त भारत की शपथ ली। यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के 28 हजार से ज्यादा स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया। अभियान में 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल हुए।

सीजेपी प्रोटेस्ट में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने वाला था जैश आतंकी

- जंतर-मंतर में तोड़फोड़ की थी साजिश बंगाल एसटीएफ का बड़ा दावा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव हमीम मंडल ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। एसटीएफ के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स ने हमीम को सीजेपी के छात्र प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने और वहां अशांति फैलाने का निर्देश दिया था। एसटीएफ के डीजी गौरव शर्मा के मुताबिक, हमीम को बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रखने और उनकी सुरक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाने का भी काम सौंपा गया था। हमीम को दो दिन पहले पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने उसे 14 दिन की एसटीएफ हिरासत में भेज दिया है। एसटीएफ ने हमीम की गर्लफ्रेंड अर्पिता सरकार को भी झारखंड से गिरफ्तार किया है। एजेंसी का दावा है कि दोनों पाकिस्तान से जुड़े शाहजाद भट्टी गैंग के इशारे पर काम कर रहे थे।

राज्य मंत्री के बेटे को हनी ट्रैप में फंसा रही थी अर्पिता

हमीम और उसकी गर्लफ्रेंड पर बंगाल के राज्य मंत्री उमेश राय के बेटे को हनीट्रैप कर अगवा करने और परिवार से वसूली की साजिश रचने का भी आरोप है। एसटीएफ के मुताबिक, अर्पिता कई नेताओं और अन्य चर्चित लोगों से हनीट्रैप के जरिए जानकारी जुटाकर हमीम तक पहुंचाती थी। उसके वॉट्सऐप चैट से पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों के संकेत मिले हैं। एसटीएफ के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रचाई थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे, इसकी जांच कर रहे हैं। एसटीएफ ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि मॉड्यूल की जांच तब शुरू हुई जब सरकार के मंत्री से पैसे ऐंठने और हनी-ट्रैप का इस्तेमाल करके उनके बेटे को किडनैप करने की साजिश के बारे में इनपुट मिले।

मोजतबा खामेनेई ने 150 दिन से नहीं उठाया फोन

ईरानी सुप्रीम लीडर को तलाशने में मोसाद,सीआईए के छूटे पसीने

तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की तलाश में इजरायल और अमेरिका खुफिया एजेंसी पूरी तरह से लगी हुई हैं। ब्रिटेन के अखबार द टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इजरायल की मोसाद और अमेरिका की सीआईए मिलकर ईरान के नए सर्वोच्च नेता के ठिकाने का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। मोजतबा को फरवरी के आखिर में उनके पिता तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या के बाद से नहीं देखा गया है। उस हमले में वे खुद भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

दिन के उजाले में बाहर नहीं आते मोजतबा

रिपोर्ट के मुताबिक, मोजतबा खामेनेई दिन के उजाले में बंकर से बाहर नहीं निकलते हैं। उन्हें है कि अमेरिकी जासूसी सैटेलाइट उन्हें पहचान सकते हैं। यही वजह है कि मोजतबा का पता लगाने के लिए इजरायल और अमेरिका को ईरान के अंदर मौजूद जासूसों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इस बीच खुफिया समुदाय में एक चर्चा इस बात पर भी हो रही है कि मोजतबा की मौत या तो 28 फरवरी को हो गई थी या बाद में जख्मों की वजह से जान चली गई थी और आईआरजीसी के अधिकारी उनके जिंदा होने के बारे में झूठ बोल रहे हैं।

मौलाना जर्जिस अंसारी ने फिर से उगला जहर

भगवान शिव और ब्रह्मा पर दिया विवादित बयान, भड़के कांवड़िए

इंदौर (एजेंसी)। भगवान शिव और भगवान ब्रह्मा को लेकर मौलाना जर्जिस अंसारी के कथित विवादित बयान के विरोध में शनिवार को इंदौर में हिंदू संगठनों का भारी आक्रोश देखने को मिला। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और कांवड़िए चंदन नगर थाने पहुंचे और मौलाना के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं और बच्चों की भी मौजूदगी रही।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से बढ़ा विवाद

इस पूरे विवाद की शुरुआत मौलाना जर्जिस अंसारी के एक कथित वीडियो से हुई, जो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुआ। वीडियो में मौलाना ने भगवान शिव, ब्रह्मा और शिवलिंग पूजा को लेकर आपत्तिजनक और विवादित टिप्पणियां की थीं।

तिहाड़ जेल को शिफ्ट करने की तैयारी,नरेला में बनेगी नई जेल

दिल्ली सरकार ने डीडीए से मांगी 27 एकड़ जमीन,बनेगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की तिहाड़ जेल पर कैदियों के भारी दबाव को कम करने के लिए सरकार ने नरेला में एक और नई जेल बनाने का प्रस्ताव दिया है। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने बताया कि सरकार की लंबी अवधि की योजना तिहाड़ जेल कॉम्प्लेक्स को पूरी तरह से शहर के बाहरी इलाके में शिफ्ट करने की है, जिसके लिए उपयुक्त जमीन की तलाश की जा रही है। गृह मंत्री आशीष सूद ने कहा कि तिहाड़ अभी शहर के बीचों-बीच स्थित है, ऐसे में इसे घनी आबादी वाले इलाकों से दूर ले जाने से सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। गृह मंत्री ने जानकारी दी कि नए जेल कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण को 27 एकड़ जमीन का आवंटन करने के लिए पत्र लिखा जाएगा।

जमीन मिलने के बाद तैयार की जाएगी रिपोर्ट

आपको बता दें कि यह कदम तिहाड़ में सालों से जारी ओवरक्राउडिंग (अत्यधिक भीड़) की समस्या को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। जमीन का आवंटन होने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसमें जेल के डिजाइन, क्षमता, सुरक्षा सुविधाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर और अनुमानित लागत का पूरा खाका तैयार किया जाएगा।

- केरलम-कर्नाटक में कोहराम, जम्मू-कश्मीर में तबाही

उत्तर से दक्षिण तक 'बारिश' ने मचा दिया है आतंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। केरलम में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन, उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं। हादसे के समय तीनों पहाड़ी के पास बने घर में सो रहे थे।

तमिलनाडु में 2000 लोगों ने बारिश के लिए प्रार्थना की

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में सूखे मौसम की वजह से तिरुचिरापल्ली के थेन्नूर में मुस्लिम समाज के 2,000 लोगों ने बारिश की विशेष प्रार्थना (सलात अल-इस्तिस्का) की। कई जिलों में तापमान 37.5सीसी से ऊपर बना हुआ है और राज्य भीषण जल संकट का सामना कर रहा है। गुजरात के सूरत में फिलहाल बारिश रुक गई है, लेकिन किम नदी का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। नदी के किनारे स्थित मुक्तिधाम श्मशान घाट पानी में डूब गया, जिसके चलते लोगों को अंतिम संस्कार के लिए दूसरे श्मशान घाटों पर जाना पड़ रहा है।

केरल के अलप्पुझा में बाढ़ का खतरा बढ़ा

केरल के अलप्पुझा जिले के कुट्टनाड और अपर कुट्टनाड क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

पंबा और अचनकोविल नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे कई निचले इलाकों में पानी भर गया है। वीयापुरम और चेरुथाना गांवों में बाढ़ से 100 से अधिक घर प्रभावित हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

दानापुर-पूर्णिया कोर्ट के लिए 2 परीक्षा स्पेशल ट्रेनें

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल ने प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए दानापुर और पूर्णिया कोर्ट के बीच दो जोड़ी परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। ये ट्रेनें पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, मानसी और सहरसा जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर गुजरेंगी। रेलवे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गाड़ी संख्या 03201 पूर्णिया कोर्ट-दानापुर परीक्षा स्पेशल 2 और 4 अगस्त 2026 को पूर्णिया कोर्ट से शाम 4 बजे प्रस्थान करेगी। यह अगले दिन सुबह 3:30 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 03202 दानापुर-पूर्णिया कोर्ट परीक्षा स्पेशल 3 और 5 अगस्त को दानापुर से शाम 7:30 बजे रवाना होगी। यह अगले दिन सुबह 8:30 बजे पूर्णिया कोर्ट पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 20 कोच होंगे, जिनमें 14 शयनयान, 4 साधारण और 2 एसएलआरडी कोच शामिल हैं। इसी तरह, गाड़ी संख्या 03207 पूर्णिया कोर्ट-दानापुर परीक्षा स्पेशल 3 और 5 अगस्त को पूर्णिया कोर्ट से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह दानापुर पहुंचेगी। इसकी वापसी यात्रा में, गाड़ी संख्या 03208 दानापुर-पूर्णिया कोर्ट परीक्षा स्पेशल 4 और 6 अगस्त को संचालित होगी। इस ट्रेन में कुल 14 कोच उपलब्ध होंगे, जिनमें 5 शयनयान, 7 साधारण और 2 एसएलआरडी कोच शामिल हैं। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने बताया कि इन विशेष ट्रेनों के संचालन से पूर्णिया, सहरसा, खगड़िया, बेगूसराय, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर और हाजीपुर क्षेत्र के अभ्यर्थियों को दानापुर पहुंचने में आसानी होगी। रेलवे ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय पर टिकट लेकर यात्रा करें और इन विशेष ट्रेनों का लाभ उठाएं।

हाजीपुर के बिदुपुर पुल पर बाइक-कार की टक्कर

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर-कच्ची दरगाह पुल पर शनिवार देर रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए। पुल के पाया संख्या-60 के पास एक बाइक और मारुति कार के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। घायलों में राज कुमार सिंह के 25 वर्षीय पुत्र गोलू कुमार की पहचान हुई है, जबकि अन्य दो उसके दोस्त बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे से ठीक पहले पुल पर करीब 10 युवक जन्मदिन मना रहे थे और पटाखे फोड़ रहे थे। इसी दौरान बाइक चालक का ध्यान पटाखों की ओर चला गया,

जिससे उसने बाइक पर से नियंत्रण खो दिया। परिणामस्वरूप, बाइक सामने से आ रही मारुति कार से जा टकराई। स्थानीय लोगों ने बताया कि कार चालक अपनी लेन में था और उसकी कोई गलती नहीं थी। कार सवार खानपुर पकड़ी पंचायत के खपुरा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने इस घटना के बाद पुल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से पुल पर आवागमन के लिए एक लेन बंद करने का निर्देश दिया था। हालांकि, इसके बावजूद लोग एक ही लेन से दोनों तरफ आवाजाही कर रहे हैं, जिससे लगातार हादसों का खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि यदि पुल पर सख्ती से बैरिकेडिंग और पुलिस की निगरानी हो तो ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सकती है। हादसे के बाद कुछ देर के लिए पुल पर अफरातफरी का माहौल बन गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। देर रात तक सभी घायलों का इलाज जारी था।

हाजीपुर में 2 पक्षों के बीच गोलीबारी, 3 घायल

हाजीपुर। हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत मदारपुर पेठिया के निकट दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में दो को गोली लगी है, जबकि एक व्यक्ति मारपीट में गंभीर रूप से चोटिल हुआ है। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना सदर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार को दी। इसके बाद, स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार मौके पर पहुंचे और प्रारंभिक जानकारी जुटाई। इसके बाद वे सदर अस्पताल गए, जहां उन्होंने भर्ती घायलों से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की। सभी घायलों का इलाज पुलिस अभिरक्षा में चल रहा है। घायलों की पहचान मदारपुर निवासी आमोद मिश्रा के पुत्र अजय मिश्रा उर्फ बाबा और बलवा कुंवारी निवासी दीपक कुमार के पुत्र अमन कुमार के रूप में हुई है, जिन्हें गोली लगी है। वहीं, रोहित कुमार उर्फ महाकाल मारपीट में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घायल अजय मिश्रा उर्फ बाबा नशा कारोबार से जुड़े हुए हैं। बताया जा रहा है कि नशा सामग्री खरीदने को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो धीरे-धीरे विवाद में बदल गई और फिर गोलीबारी शुरू हो गई। सदर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि दो पक्षों के बीच मारपीट और गोलीबारी की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने पुष्टि की कि गोली लगने से दो और मारपीट में एक व्यक्ति घायल हुआ है। सभी घायलों का इलाज पुलिस की निगरानी में जारी है।

गंगा नदी में दिखा बड़ा मगरमच्छः वैशाली के लोगों में दहशत

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर जुड़ावनपुर क्षेत्र के गोपालपुर गांव के सामने गंगा नदी में रविवार को एक बड़ा मगरमच्छ देखा गया। मगरमच्छ के दिखने से इलाके में हड़कंप मच गया। नदी किनारे मौजूद लोगों ने जैसे ही उसे पानी की सतह पर देखा, वहां अफरा-तफरी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, मगरमच्छ कुछ देर तक नदी की सतह पर दिखाई दिया और फिर गहरे पानी में चला गया। इस घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोगों ने बच्चों और मवेशियों को नदी किनारे जाने से मना कर दिया है। गंगा में स्नान करने और मछली पकड़ने वालों को भी सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। ग्रामीणों का मानना है कि गंगा के जलस्तर में बदलाव के कारण जलीय जीव आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आ रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग और जिला प्रशासन से मगरमच्छ की निगरानी करने और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके। फिलहाल, मगरमच्छ के कारण किसी व्यक्ति के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी के किनारे अनावश्यक भीड़ न लगाएं और मगरमच्छ को पकड़ने या उसके करीब जाने का प्रयास न करें।

मां की हत्या, 6 दिन बाद बेटे की भी लाश मिली

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में महिला और उसके छह साल के बेटे की हत्या का मामला सामने आया है। 26 जुलाई को मंजू देवी नाम की महिला का शव झाड़ियों से बरामद हुआ था। शनिवार को जहां से मंजू देवी का शव मिला था उससे 50 मीटर दूर उसके बेटे आर्यन की लाश मिली है। आर्यन की तलाश पिछले 6 दिनों से की जा रही थी। बच्चे का शव पूरी तरह सड़ चुका था और उससे तेज दुर्गंध आ रही थी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इस बात की चर्चा है कि लव अफेयर में मां और बेटे की हत्या की गई है। इस मामले में मंजू देवी के प्रेमी को अरेस्ट कर लिया गया है। कांटी थाना इलाके में एक महिला की लाश 26 जुलाई को एनटीपीसी प्लांट के पीछे झाड़ियां से मिली थी। 31 जुलाई को महिला की पहचान मंजू कुमारी के रूप में हुई। मंजू के घर वालों ने पुलिस को बताया कि मंजू का 6 साल का बेटी आर्यन भी गायब है। मंजू की 2020 में शादी हुई थी। शादी के बाद उसके 2 बेटे हुए थे। छोटा बेटा 3 साल का है जो कि अपनी नानी के साथ रहता है, 6 साल का बड़ा बेटा आर्यन है जो मंजू के साथ रहता था। 2025 में मंजू अपने पति से अलग रहने लगी। इस बीच उसने एक प्राइवेट अस्पताल में काम करना शुरू कर दिया। हॉस्पिटल में ही उसकी पहचान विकास पासवान से हुई। बातचीत का सिलसिला बढ़ा तो दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया। विकास मंजू के घर आने जाने लगा। विकास के साथ उसके दोस्त भी मंजू के घर आया-जाया करते थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मंजू की हत्या की पीछे अफेयर का शक है। ऐसी चर्चा है कि विकास को शक था कि मंजू उसके दोस्तों के करीब आ गई है। इसलिए उसने उसकी हत्या कर दी।

पटना में देर रात कमिश्नर की निगरानी में उठा कचरा

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम सहित पूरे बिहार के नगर निकाय के कर्मी आज चौथे दिन हड़ताल पर रहेंगे। हड़ताल की वजह से पटना की सड़कों पर कचरा फैल चुका है। बदबू से लोग परेशान हैं। बारिश के मौसम में हालात और भी खराब हो गए हैं। हालांकि शुक्रवार-शनिवार की देर रात पुलिस की निगरानी में कई जगह से कचरा उठवाया गया। दूसरी तरफ पटना नगर निगम ने आउटसोर्सिंग एजेंसियों पर 22.65 करोड़ की पेनाल्टी लगाई है। इनसे स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। दूसरी ओर सफाईकर्मी निगम मुख्यालय में जाकर धरना-प्रदर्शन करते हैं। इस कारण जिला प्रशासन की ओर से मौर्य लोक परिसर में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (BNSS) की धारा 163 लागू कर दी गई है। हड़ताल पर नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने कहा कि 100 की संख्या में पुलिस मिली है, जिनकी मौजूदगी में हमलोग साफ-सफाई करवा रहे हैं। आज से हमलोग को मॉर्निंग शिफ्ट में भी फोर्स मिलेगा।

हर वार्ड में SI खुद से 20 कर्मी रख सकते हैं। इसके साथ ही आवश्यकता पड़ने पर चालक

सहित जेसीबी, हाईवा, ट्रैक्टर और डंपर कचरा उठाव-सफाई कार्यों में प्रयुक्त अन्य आवश्यक वाहनों को भी किराए पर लेने के निर्देश दिए गए हैं। सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगम की ओर से हर वार्ड के लिए 10 हजार रुपए आवंटित किए गए हैं। यानी 7.5 लाख की राशि उपलब्ध कराई गई है।

पुलिस बल की तैनाती रहेगीः हड़ताल के दौरान नूतन राजधानी अंचल में कार्यरत सफाई कर्मी पर असामाजिक तत्वों की ओर से हमला किया गया। यार्ड में खड़े वाहनों के टायर पंचर करने, कार्यरत सफाई कर्मियों को डराने-धमकाने, कार्य में बाधा उत्पन्न करने संबंधी

❐ आउटसोर्सिंग एजेंसियों पर 22.65 करोड़ का जुर्माना

शिकायतें भी मिलीं। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन की ओर से पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

ब्लैकलिस्ट हो सकती एजेंसियांः पटना नगर निगम ने हड़ताल के दौरान सफाई व्यवस्था प्रभावित करने पर आउटसोर्सिंग एजेंसियों पर 22.65 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। गुरुवार-शुक्रवार को सफाई कार्यों में तैनात आउटसोर्सिंग एजेंसियों की ओर से पर्याप्त मैन पावर और ड्राइवर नहीं दिया। अनुबंध उल्लंघन मानते हुए संबंधित एजेंसियों पेनाल्टी लगाई है। इसके साथ ही सभी एजेंसियों से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण की मांग की है। जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित एजेंसियों के साथ कांट्रैक्ट खत्म किया जाएगा और उसे ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। निगम की ओर से सभी आउटसोर्सिंग एजेंसियों को निर्देशित किया गया था कि सफाई कर्मी संघ की हड़ताल में एजेंसी या उसके कर्मचारी किसी भी प्रकार से संलिप्त नहीं होंगे।

स्मैक-गांजा बेचने वाले ने जज के बॉडीगार्ड को पीटा

एजेंसी, पटना

♦ पुलिस लाइन के पास सड़क किनारे खड़ा था कॉन्सटेबल, नशे में होने का लगाया आरोप

बुद्धा कॉलोनी में पुलिस लाइन से सटे एक कांस्टेबल के साथ स्मैक-गांजा बेचने वाले शरारती तत्वों ने रविवार की सुबह मारपीट कर लहूलुहान कर दिया। सिर फोड़ दिया। सिपाही की पहचान विशाल सिंह के तौर पर हुई है। जो फिलहाल मुजफ्फरपुर के जज के बॉडीगार्ड के तौर पर सुरक्षा में तैनात है।

विशाल सिंह ने बताया कि छुट्टी में अपने दोस्त से मिलने पटना आया था इससे पहले उसकी पोस्टिंग पटना में ही थी। सुबह के वक्त दोस्त के साथ खाना खाने के लिए निकला था। पुलिस लाइन से सेट रास्ते से गुजर रहा था। इसी बीच वहां मौजूद कुछ लड़कों ने क्या लेना है, सर.. क्या लेना है, सर... पूछना शुरू किया।

नशे में था आरोपीः विशाल ने इस पर जवाब दिया कि तुम्हें समझ नहीं आता, मैं तुम्हें नशा करने वाला लगता हूं। इसी बात पर उनसे कहा सुनी हुई, एक ने ईंट उठाकर सीधे सिर फोड़ दिया। विशाल के मुताबिक वह शख्स नशे में थे।

विशाल सिंह ने बताया कि यहां पर स्मैक गांजा बस्ती में रहने वाले बेचते रहते हैं। वहां से कोई राहगीर गुजरता है, तो उससे पूछने लगते हैं। आज मुझे भी कस्टमर समझ कर पूछने लगे। इस बात पर मैं रिएक्ट किया और मेरे साथ यह घटना हो गई। विशाल की ओर से बुद्धा कॉलोनी थाने में शिकायत की गई है। जिसके आधार पर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

'भाजपा के इशारे पर पुलिस ने जनसुराज कार्यकर्ताओं को पकड़ा'

एजेंसी, पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव की मतगणना से एक दिन पहले जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने आज पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने पटना पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया, 'चुनाव के दौरान पुलिस ने भाजपा के इशारे पर जन सुराज के नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया। स्थानीय लोगों के घरों में घुसकर उन्हें उठाया गया और चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की गई।' पीके ने आगे कहा, 'इन सभी मामलों के साक्ष्य चुनाव आयोग को सौंप दिए गए हैं और आने वाले दिनों में दिल्ली जाकर भी आयोग से शिकायत की जाएगी।' प्रशांत किशोर ने कहा, 'पटना SSP कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में दावा किया गया कि चुनाव के दौरान बाहर से आए लोगों को डिटेन किया गया था, ताकि शांतिपूर्ण मतदान हो सके। वास्तविकता यह है कि 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें अधिकांश पटना के स्थानीय निवासी थे। पुलिस देर रात लोगों के घरों में घुसी, उन्हें सोते हुए उठाकर थाने ले गई और घंटों तक इधर-उधर घुमाती रही।' प्रशांत किशोर ने सवाल उठाते हुए कहा, 'पुलिस बताए कि जन सुराज के 54 लोगों को गिरफ्तार या डिटेन किया गया, लेकिन भाजपा के कितने लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई।' उन्होंने आरोप लगाया, पुलिस को किस अधिकार से लोगों के घरों में घुसकर उन्हें उठाने का अधिकार मिला? चुनाव खत्म होने से एक घंटे पहले मतदान कराकर उन्हें छोड़ा गया। इससे स्पष्ट है कि उद्देश्य मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करना था।'

टीआरई-4 विज्ञापन में देरी पर अभ्यर्थियों का फूटा गुस्सा, महाआंदोलन की दी चेतावनी

एजेंसी, पटना

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) की शिक्षक भर्ती परीक्षा TRE-4 के विज्ञापन में हो रही देरी को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 32,388 शिक्षकों की नियुक्ति के लिए बीपीएससी को अधियाचना भेजे जाने की जानकारी दी थी। हालांकि, अब तक आयोग की ओर से भर्ती का नोटिफिकेशन जारी नहीं होने से अभ्यर्थियों में नाराजगी है। छात्र नेता दिलीप कुमार के नेतृत्व में अभ्यर्थियों ने जल्द विज्ञापन जारी करने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

विज्ञापन जारी करने की उठी मांगः प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों

ने नारे लगाते हुए कहा, "BPSC TRE-4 का विज्ञापन जारी करो, विज्ञापन नहीं तो शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो।" उनका कहना है कि लंबे समय से भर्ती का इंतजार किया जा रहा है, लेकिन अब तक केवल घोषणाएं हुई हैं, जबकि नियुक्ति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है।

दो साल से सिर्फ घोषणाएं- दिलीप कुमारः छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा कि TRE-4 भर्ती को लेकर पिछले दो वर्षों से लगातार घोषणाएं की जा रही हैं, लेकिन अब

❐ छात्र नेता दिलीप बोल- 2 साल से सिर्फ घोषणाएं हो रहीं

तक विज्ञापन जारी नहीं हुआ।

अधियाचना लौटने की बताई वजहः दिलीप कुमार ने बताया कि बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक के अनुसार अधियाचना में कुछ त्रुटियां थीं, जिसके कारण उसे संबंधित विभाग को वापस भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि अधियाचना में खामियां थीं तो उसे पहले ही ठीक किया जाना चाहिए था, ताकि भर्ती प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न होती।

4-5 दिनों में नोटिफिकेशन नहीं तो आंदोलनः छात्र नेता ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगले चार से पांच दिनों के भीतर TRE-4 का विज्ञापन जारी होना चाहिए और सभी विषयों में पर्याप्त रिक्तियां शामिल की जानी चाहिए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो राज्यभर के अभ्यर्थी महा आंदोलन करेंगे। उन्होंने शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए।

नई BSSC अध्यक्ष से जताई उम्मीदः दिलीप कुमार ने बिहार कर्मचारी चयन आयोग (BSSC) की नई अध्यक्ष शोभा अहोतकर की नियुक्ति का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से आयोग में स्थायी अध्यक्ष नहीं होने के कारण कार्य प्रभावित हो रहा था। उन्होंने उम्मीद जताई कि शोभा अहोतकर अपनी सख्त और ईमानदार कार्यशैली से आयोग में पारदर्शिता लाएंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि वे जल्द उनसे मिलकर अभ्यर्थियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

स्कूल का गिरा छत, बच्चों से हटवाया मलबा!

एजेंसी, पटना

पटना के बख्तियारपुर प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय रबाईच का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। वीडियो में स्कूली बच्चे जर्जर भवन की गिरी हुई छत का मलबा फावड़ा और कुदाल से हटाते नजर आ रहे हैं। आरोप है कि स्कूल प्रबंधन के निर्देश पर बच्चों से यह काम कराया गया। करीब दो सप्ताह पहले स्कूल भवन की छत भरभराकर गिर गई थी। उस समय कोई बच्चा वहां मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया था। हालांकि, छत गिरने के बाद भी स्कूल भवन की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

बच्चे फावड़ा और कुदाल से मलबा हटाते दिखेः वायरल वीडियो में कुछ महिला शिक्षिकाएं गर्मी से बचने के लिए पंखा झलती दिखाई दे रही हैं, जबकि उनके सामने बच्चे फावड़ा और कुदाल से मलबा हटाते नजर आ रहे हैं। कुछ बच्चे गिरी हुई छत के नीचे से बेंच निकालते भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने स्कूल प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।

बच्चों से मलबा हटवाया, बेंच भी हटवाई - दीप्तिः स्कूल के पास रहने वाली दीप्ति ने बताया कि उनके भाई ने यह वीडियो बनाया था।

उनके मुताबिक, छत गिरने के बाद बच्चों से मलबा हटवाया गया और बेंच भी बच्चों से ही निकलवाई गई। उन्होंने दावा किया कि घटना के समय सुबह करीब 11 बजे वह अपने घर के किचन की ओर जा रही थीं, तभी उन्होंने बच्चों को फावड़ा चलाते देखा। इसके बाद उनके भाई ने पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड किया।

स्कूल प्रभारी ने आरोपों से किया इनकारः स्कूल प्रभारी सिमरन कुमारी ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा, 'कुछ लोगों ने बच्चों के हाथ में जबरन फावड़ा थमा दिया और वीडियो बनाया गया है।' उन्होंने बताया, 'छत गिरने के बाद बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सीढ़ियों पर बेंच लगाकर ऊपर जाने का रास्ता बंद कर दिया गया है।

मरम्मत के लिए कई बार आवेदन दिया

♦ वायरल वीडियो में बच्चे फावड़ा-कुदाल से मलबा हटाते दिखे

- स्कूल प्रभारीः उन्होंने यह भी बताया कि स्कूल भवन की जर्जर स्थिति को लेकर कई बार विभाग को लिखित आवेदन दिया गया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रभारी का आरोप है कि नगर परिषद प्रशासन केवल भवन का रंग-रोगन कर अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रहा है, जबकि भवन कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

शिक्षा पदाधिकारी ने बयान देने से किया इनकारः प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सचिन कुमार ने इस मामले पर कोई स्पष्ट टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने स्कूल प्रबंधन का पक्ष रखते हुए विस्तृत बयान देने से बचते नजर आए।

सुरक्षा और शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवालः घटना के बाद स्कूल भवन की जर्जर स्थिति और बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने मांग किया है कि भवन की तकनीकी जांच कराकर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। यदि बच्चों से श्रम कराने के आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार लोगों पर भी कार्रवाई की जाए।

पटना जंक्शन के पास बनेगा वर्ल्ड-क्लास कमर्शियल हब

एजेंसी, पटना

राजधानी के सबसे व्यस्त इलाकों में शामिल पटना जंक्शन और न्यू मार्केट को पूरी तरह आधुनिक बनाया जाएगा। यहां पटना सिटी सेंटर की तर्ज पर G+16 भव्य कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। पटना नगर निगम यहां 736.41 करोड़ रुपये की लागत से एक विश्वस्तरीय कमर्शियल हब विकसित करने जा रहा है। पहले तीन अलग-अलग छोटे भवन बनाने की योजना थी, लेकिन अब इसमें बदलाव किए गए हैं। नगर निगम ने परियोजना का सर्वे पूरा कर लिया है और DPR भी तैयार है।

कॉम्प्लेक्स बनने के बाद पटना जंक्शन आने वाले यात्रियों और शहरवासियों को एक ही जगह ठहरने, खरीदारी और खान-पान की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। यहां फाइव स्टार स्तर का होटल, आधुनिक फूड कोर्ट, इंटरनेशनल स्तर का शॉपिंग मार्केट, बेसमेंट पार्किंग और अत्याधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम विकसित किया जाएगा। इससे पार्किंग की समस्या भी काफी हद तक दूर होगी। शुरुआत में इस परियोजना की लागत 123.12 करोड़ रुपये तय की गई थी और केवल जी+3 भवन बनाने की योजना थी। अब इसे विश्वस्तरीय और बहुमंजिला स्वरूप देने के लिए बजट बढ़ाकर 736.41 करोड़ रुपये कर दिया गया है। चूंकि जमीन पटना नगर निगम की अपनी है, इसलिए निर्माण कार्य में किसी कानूनी या तकनीकी बाधा की संभावना नहीं है। कॉम्प्लेक्स बनने के बाद सड़कों से अतिक्रमण पूरी तरह खत्म होगा।

पटना-छपरा समेत 8 जिलों में तेज बारिश, बेगूसराय के 60 घरों में घुसा पानी

एजेंसी, पटना

बिहार के कई जिलों का मौसम रविवार सुबह से ही बदला हुआ है। बेगूसराय, छपरा, बांका, सुपौल, पूर्णिया, सीतामढ़ी और मधेपुरा में भी तेज बारिश हुई। बगहा में बीती रात से बारिश हो रही है। पटना में भी तेज बारिश शुरू हो गई है।

सीतामढ़ी में भारी बारिश के बाद सदर अस्पताल परिसर में एक से दो फीट पानी भर गया है। इसके अलावा कई मोहल्ले की सड़कों पर पानी भर गया है। बेगूसराय के भजनी मोहल्ला के 60 से अधिक घरों में पानी घुस गया है।

वहीं, बांका में अलग-अलग जगहों में आकाशीय बिजली की गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। 7 लोग झुलसे हैं। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

4 जिलों मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज में भारी बारिश

♦ सीतामढ़ी में अस्पताल डूबा, बांका में बिजली गिरने से 6 की मौत

की संभावना है। इस दौरान करीब 40Kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार 5-6 अगस्त तक बिहार में बारिश की गतिविधियां और बढ़ सकती हैं।

'बांकीपुर उपचुनाव में एनडीए की जीत शत-प्रतिशत तय'

एजेंसी, पटना

जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उनका मानना है कि NDA प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा की जीत पूरी तरह तय है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस चुनाव में एनडीए को भारी बढ़त मिलेगी और जीत को लेकर किसी तरह की कोई शंका नहीं है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पूरी मजबूती से चुनाव में जुटे हैं। जनता का समर्थन NDA के साथ है। संजय झा ने कहा, 'बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में NDA उम्मीदवार की जीत शत-प्रतिशत सुनिश्चित है। जनता विकास और सुशासन के मुद्दे पर NDA के साथ खड़ी है। इसी भरोसे के साथ पार्टी चुनावी मैदान में उतरी है और परिणाम भी उसके पक्ष में आएगा।'

2034 ओलंपिक को लेकर जताया भरोसाः कॉमनवेल्थ खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ियों को संजय झा ने बधाई दिया। उन्होंने कहा, 'इन खिलाड़ियों ने देश का नाम दुनिया भर में रोशन किया है। खिलाड़ियों की मेहनत और

समर्पण पूरे देश के लिए प्रेरणा है। उन्होंने आगे कहा, 'सरकार भी खेल प्रतिभाओं को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। खेलों के क्षेत्र में सरकार की नीतियों का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है।'

गांवों से निकल रही नई खेल प्रतिभाएं- संजय झाः संजय झा ने आगे कहा, 'अब ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में भी खेलों के प्रति रुचि तेजी से बढ़ी है। पहले की तुलना में गांवों के युवा अधिक संख्या में खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। यही वजह है कि देश को लगातार नई प्रतिभाएं मिल रही हैं और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है।'

❐ खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर संजय झा बोले- 2034 ओलंपिक में भारत करेगा बेहतर प्रदर्शन

बेहतर खिलाड़ियों को मिल रही सरकारी नौकरी- संजय झाः संजय झा ने आगे कहा, 'बिहार सरकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान देने के साथ-साथ उन्हें रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करा रही है। पुलिस सहित विभिन्न सरकारी विभागों में खिलाड़ियों को सीधी नियुक्ति दी जा रही है, जिससे युवाओं का खेलों के प्रति उत्साह और बढ़ा है।

वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफः संजय झा ने युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वैभव ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भी वह इसी तरह बेहतर प्रदर्शन कर बिहार और देश का नाम रोशन करेंगे।

युवा चम्पारण महोत्सव 2026 की रूपरेखा जारी, 7 से 9 अगस्त तक होगा तीन दिवसीय आयोजन

बीएनएम@ मोतिहारी

युवा चम्पारण महोत्सव 2026 के सफल आयोजन को लेकर रविवार को शहर में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान आयोजन समिति ने 7 से 9 अगस्त तक होने वाले तीन दिवसीय महोत्सव की विस्तृत रूपरेखा जारी करते हुए प्रतियोगिताओं, व्यवस्थाओं और आयोजन के उद्देश्यों की जानकारी दी। समिति के अनुसार इस बार महोत्सव को पहले से अधिक भव्य, व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने की तैयारी की गई है। अब तक जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से 2000 से अधिक प्रतिभागी पंजीकरण करा चुके हैं। समिति के अध्यक्ष आकर्ष कुमार तिवारी ने कहा कि युवा चम्पारण महोत्सव केवल खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि पूर्वी चम्पारण की युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमता, रचनात्मकता और नेतृत्व कौशल प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करने का प्रयास है। कोषाध्यक्ष सह संयोजक अभिषेक सिंह सूर्या ने बताया कि जिलेभर के युवाओं में महोत्सव को लेकर खासा उत्साह है। उन्होंने कहा कि सभी प्रतियोगिताओं को निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उन्होंने बताया कि 7 अगस्त को सुबह पांच बजे मैराथन दौड़ के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। इसके बाद क्विज, ड्रॉइंग और शतरंज प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 8 अगस्त को साइकिल रेसिंग, स्लो साइकिल रेसिंग, गायन और नृत्य प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। वहीं 9 अगस्त को बापू सभागार में समापन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल, प्रशस्ति-पत्र और सम्मान-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। समिति ने बताया कि आयोजन के दौरान सुरक्षा, चिकित्सा, प्राथमिक उपचार, पेयजल, मीडिया समन्वय, मंच संचालन और स्वयंसेवकों की विशेष व्यवस्था की गई है। महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग पंजीकरण और प्रवेश की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।समिति ने जिले के युवाओं, छात्र-छात्राओं और अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर महोत्सव को सफल बनाने की अपील की। साथ ही विश्वास जताया कि युवा चम्पारण महोत्सव आने वाले वर्षों में पूर्वी चम्पारण ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार के युवाओं के लिए खेल, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रमुख मंच बनेगा।समिति ने बताया कि समापन समारोह में बिहार सरकार की खेल एवं उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, गोविंदगंज विधायक राजू तिवारी, नरकटिया विधायक विशाल प्रशांत, सुगौली विधायक रामाश्रय सिंह उर्फ बबलू गुप्ता सहित कई जनप्रतिनिधियों और विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। प्रेस वार्ता में समिति के अध्यक्ष आकर्ष कुमार तिवारी, कोषाध्यक्ष सह संयोजक अभिषेक सिंह सूर्या, उपाध्यक्ष अंकित सिंह राजपूत, प्रधान सचिव अमिता निधि, मीडिया प्रभारी विशाल कुमार, सुरक्षा प्रमुख हिमांशु दुबे सहित समिति के अन्य पदाधिकारी, सदस्य एवं जिले के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पहले कागजों में खेल, फिर खेतों पर कब्जा: सिस्टम की चुप्पी ने बढ़ाया खूनी विवाद?

बीएनएम@ सागर सूरज

फर्जी जमाबंदी पर कार्रवाई केवल कागजों तक क्यों? जिम्मेदार अंचलाधिकारी पर प्राथमिकी की मांग तेज

मोतिहारी। कहते हैं कि न्याय मिलने में देर हो सकती है, लेकिन जब व्यवस्था पर ही विवाद की जड़ बनने के आरोप लगने लगें, तब उसकी कीमत आम नागरिकों के साथ-साथ कानून-व्यवस्था को भी चुकानी पड़ती है।

हरसिद्धि अंचल में सामने आया भूमि विवाद अब केवल जमीन का झगड़ा नहीं रह गया है, बल्कि राजस्व व्यवस्था की पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही और सरकारी अधिकारियों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

रविवार को सामने आई हिंसक घटना ने उस विवाद को और गंभीर बना दिया, जिसकी ओर स्थानीय समाचार पत्र बॉर्डर न्यूज मिरर ने 16 एवं 17 जुलाई 2026 के अंकों में दो भागों में विस्तार से ध्यान आकर्षित किया था।

उस समय प्रकाशित रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि हरसिद्धि अंचल में रैयती भूमि से संबंधित अभिलेखों में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया था कि वर्ष 2024 में जिस पर्चे को तत्कालीन अंचलाधिकारी ने रूप से फर्जी बताया था, वर्ष 2025 में उसी पर्चे के आधार पर जमाबंदी कायम कर दी गई। यदि जांच में यह आरोप सही पाया जाता है तो यह केवल एक प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि पूरी राजस्व व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न होगा।

इसी विवाद में नया मोड़ तब आया जब बृजकिशोर चौबे ने हरसिद्धि थाना में आवेदन देकर वर्तमान अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी की कथित मिलीभगत से उनकी रैयती जमीन पर अवैध कब्जा कराने, गलत तरीके से पर्चा जारी कराने तथा विरोध करने पर जानलेवा हमला कराने का आरोप लगाया। आवेदन में इस्लाम मियां, अशलम मियां, जरीना खातून समेत अन्य लोगों को नामजद किया गया है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, उनकी रैयती भूमि पर रातोंरात झोपड़ी बनाकर कब्जा कर लिया गया। जब उन्होंने और उनके परिवार के सदस्यों ने विरोध किया तो आरोपियों ने कथित रूप से पेट्रोल एवं मिर्च पाउडर से हमला कर जान से मारने का प्रयास किया तथा गाली-गलौज और धमकी दी।

आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि मुख्य आरोपी इस्लाम मियां, अशलम मियां, जरीना खातून एवं अन्य लोगों ने कहा कि "कागज बनवाने में 10 लाख रुपये खर्च हुए हैं, यदि 10 लाख रुपये दे दो तो जमीन छोड़ देंगे।" शिकायतकर्ता ने इसे रंगदारी मांगने और अवैध कब्जा बनाए रखने की धमकी बताया है।

पूरे मामले ने एक और बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। यदि किसी पर्चे या जमाबंदी को बाद में अवैध अथवा त्रुटिपूर्ण माना जाता है, तो उसे कायम करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं होती? क्या पूरी जवाबदेही केवल पीड़ितों और न्यायालयों तक सीमित रहेगी, जबकि प्रशासनिक निर्णयों की वैधता पर भी प्रश्न उठ रहे हैं?

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि कथित रूप से रिश्वत लेकर फर्जी जमाबंदी कायम करने और बाद में अपीलीय स्तर पर उसे निरस्त कराने का एक समानांतर खेल वर्षों से चलता रहा है, जिसकी सबसे बड़ी कीमत आम लोगों को चुकानी पड़ती है।

शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, संबंधित अंचल पदाधिकारियों की भूमिका की जांच, अवैध कब्जा हटाने, आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गयी है।

हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है तथा मामले में विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

इधर समाचार लिखे जाने तक हरसिद्धि अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका था।

मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत 13 मासूमों को निःशुल्क इलाज के लिए पटना भेजा गया

» जयप्रभा मेदांता अस्पताल में होगी ईको जांच व विशेषज्ञों की देखरेख में उपचार
» जिले में अब तक 180 बच्चों की सफल हृदय सर्जरी, 100 से अधिक का दवा से उपचार

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों के 13 बाल हृदय रोगियों को रविवार को सदर अस्पताल से सात एंबुलेंस के माध्यम से जयप्रभा मेदांता अस्पताल, पटना के लिए रवाना किया गया। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर एंबुलेंस को रवाना किया। बच्चों के साथ उनके परिजन भी मौजूद रहे। आरबीएसके के जिला समन्वयक डॉ. शशि मिश्रा ने बताया कि बिहार सरकार के सहयोग से जयप्रभा मेदांता अस्पताल में निःशुल्क ईको जांच शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में पूर्वी चंपारण समेत राज्य के विभिन्न जिलों से आए बाल हृदय रोगियों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच की जाएगी। मरीजों की सुविधा एवं समन्वय के लिए पीपराकोठी के फार्मासिस्ट मो. शमीम को भी साथ भेजा गया है। सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत जिले में अब तक 180 बच्चों की निःशुल्क सफल हृदय सर्जरी कराई जा चुकी है। वहीं, 100 से अधिक बाल हृदय रोगियों का दवाइयों के माध्यम से सफल उपचार किया गया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए यह योजना वरदान साबित हो रही है और स्वास्थ्य विभाग हर जरूरतमंद बच्चे तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर डॉ. शशि मिश्रा, डॉ. सरताज आलम, फार्मासिस्ट मो. शमीम, प्रमोद कुमार, जौवाद हुमैन सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

हरियाणा विधानसभा में मोतिहारी की संस्कृति सिंह ने बढ़ाया बिहार का मान, 'महिला युवा संवाद-2026' में निभाई अहम भूमिका

बीएनएम@ मोतिहारी (अरेराज), पूर्वी चंपारण

पूर्वी चंपारण के अरेराज की रहने वाली संस्कृति सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए बिहार का गौरव बढ़ाया है। श्री मृत्युंजय कुमार एवं श्रीमती कंचन सिंह की पुत्री संस्कृति सिंह का चयन हरियाणा विधानसभा में आयोजित प्रतिष्ठित "महिला युवा संवाद-2026" में बिहार की युवा प्रतिनिधि एवं वक्ता के रूप में हुआ। देशभर से चयनित चुनिंदा युवाओं के बीच उन्होंने राष्ट्रीय मंच पर प्रभावशाली ढंग से बिहार का प्रतिनिधित्व किया। हरियाणा विधानसभा एवं राजधानी युवा संसद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्कृति सिंह को सरकार की मानद मुख्य सचेतक (Honourable Chief Whip of Government) की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई, जिसका उन्होंने सफलतापूर्वक निर्वहन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने की। इस दौरान संस्कृति सिंह ने महिला सशक्तिकरण, युवाओं की लोकतांत्रिक भागीदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व और समावेशी विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने तथ्यपूर्ण एवं प्रभावशाली विचार रखे। उनके संबोधन को जनप्रतिनिधियों, नीति-निर्माताओं और देशभर से आए युवा प्रतिभागियों ने सराहा। बेहतरीन नेतृत्व क्षमता और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संस्कृति सिंह को "Certificate of Noteworthy Performance" से सम्मानित किया गया। संस्कृति सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की है और वर्तमान में स्नातकोत्तर (मास्टर्स) की पढ़ाई कर रही हैं। वह एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता, सार्वजनिक वक्ता (Public Speaker) एवं युवा नेतृत्वकर्ता हैं। समाज सेवा, शैक्षणिक उत्कृष्टता और जनवक्तृत्व के क्षेत्र में उन्हें अब तक 10 से अधिक राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। संस्कृति सिंह की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के सामाजिक, शैक्षणिक एवं युवा संगठनों ने खुशी जताते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय मंच पर अपने व्यक्तित्व, नेतृत्व और विचारों से न केवल बिहार बल्कि पूर्वी चंपारण का भी नाम रोशन किया है। उनकी सफलता प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

65 लाख के डिवाइडर निर्माण पर उठा सवाल, राजद नेता रवि मस्करा ने एसडीओ से की शिकायत

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला के रक्सौल मुख्य सड़क पर लगभग 65 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे डिवाइडर को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। राजद नेता रवि मस्करा ने इस मामले में अनुमंडल पदाधिकारी नागमणि वर्मा से मिलकर शिकायत दर्ज कराई और निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। इससे पहले भी रवि मस्करा ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर डिवाइडर निर्माण को अनावश्यक बताते हुए आपत्ति जताई थी। सुनवाई नहीं होने पर उन्होंने एसडीओ को आवेदन देकर इसे सरकारी धन की बर्बादी और संभावित अनियमितता का मामला बताया। अपने आवेदन में मस्करा ने कहा कि रक्सौल नगर परिषद के 25 वार्डों में सड़क, बिजली, पेयजल और नाला व्यवस्था बदहाल है। ऐसे में जनता की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने के बजाय अनावश्यक डिवाइडर निर्माण पर लाखों रुपये खर्च करना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज का कार्य स्वीकृत हो चुका है तथा पूर्व में सड़क के साथ डिवाइडर का निर्माण भी किया जा चुका है, इसलिए नए डिवाइडर की आवश्यकता नहीं है। दिए गए प्रेस विज्ञप्ति में रवि मस्करा ने आरोप लगाया कि मुद्दा उठने के बाद ठेकेदार जल्दबाजी में निर्माण कार्य पूरा करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि डिवाइडर पर पौधे और फूल लगाने के बजाय पूरी तरह कंक्रीट की ढलाई की जा रही है, जिससे शहर के सौंदर्यीकरण और पर्यावरण दोनों को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि हल्की बारिश में ही शहर की सड़कें चलने लायक नहीं रहतीं, लेकिन प्रशासन इन मूलभूत समस्याओं की अनदेखी कर रहा है। मस्करा ने चेतावनी दी कि यदि जनहित की उपेक्षा जारी रही तो इस मुद्दे पर आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

क्या लाइसेंस-मुक्त एयर गन को 'अवैध स्नाइपर' बताकर भेज दिया गया जेल? बंजरिया पुलिस की कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल, आर्म मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट का इंतजार

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण के बंजरिया थाना की एक गिरफ्तारी अब गंभीर कानूनी सवालों के घेरे में है। पुलिस ने 28 जुलाई की प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दावा किया कि हत्या एवं रंगदारी के मामलों में संलिप्त उज्ज्वल कुमार के घर से "Camstar Sports, Made in India निर्मित स्नाइपर टाइप अवैध हथियार" बरामद किया गया है। इसी आधार पर गिरफ्तारी को बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया गया।

लेकिन जब प्रेस विज्ञप्ति, बरामद हथियार के मॉडल और लागू कानूनी प्रावधानों का मिलान किया गया तो कई ऐसे तथ्य सामने आए, जो पुलिस के दावे पर प्रश्नचिह्न खड़े करते हैं।

प्रेस विज्ञप्ति में कहीं भी यह नहीं लिखा गया कि बरामद हथियार एयर गन है। केवल "स्नाइपर टाइप अवैध हथियार" शब्द का प्रयोग किया गया। जबकि बरामद हथियार पर अंकित Camstar Sports, Made in India और मॉडल संबंधी विवरण से यह संकेत मिलता है कि यह .177 (4.5 मिमी) श्रेणी की स्पोर्ट्स एयर राइफल हो सकती है। उपलब्ध तकनीकी जानकारी के अनुसार Camstar Sports, Capital Airgun Manufacturers Pvt. Ltd. का भारतीय ब्रांड है, जो टार्गेट शूटिंग के लिए एयर राइफल बनाती है। ऐसे मॉडल की कीमत लगभग 28 से 32 हजार रुपये बताई जाती है और यदि उसकी मज़ल एनर्जी 20 जूल से कम है तो सामान्यतः वह लाइसेंस-मुक्त श्रेणी में आती है।

यही वह बिंदु है जिसने पूरे मामले को विवादित बना दिया है। यदि हथियार वास्तव में लाइसेंस-मुक्त एयर गन है, तो उसे प्रेस विज्ञप्ति में "अवैध हथियार" बताने का आधार क्या था?

उज्ज्वल कुमार के परिजनों का कहना है कि यह एयर गन लगभग पांच वर्षों से घर के अंदर रखी थी। उनका दावा है कि इसे किसी घटना स्थल से नहीं बल्कि घर के भीतर से जब्त किया गया। परिवार का यह भी कहना है कि उज्ज्वल ने कभी किसी व्यक्ति को एयर गन दिखाकर डराया-धमकाया नहीं और पुलिस इस संबंध में किसी प्रत्यक्ष गवाह का नाम भी सामने नहीं ला सकी है।

बॉर्डर न्यूज मिरर द्वारा मामले की जानकारी पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात को दिए जाने के बाद सदर डीएसपी दिलीप कुमार ने गांव पहुंचकर स्थानीय लोगों के बयान दर्ज किए। ग्रामीणों के अनुसार बड़ी संख्या में लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने भी यह नहीं कहा कि उज्ज्वल कुमार ने एयर गन का इस्तेमाल कर लोगों में दहशत फैलाई थी।

इस संबंध में सदर डीएसपी दिलीप कुमार ने बॉर्डर न्यूज मिरर से कहा, "मैं बंजरिया गन जब्ती मामले में दर्ज प्राथमिकी के पर्यवेक्षण के लिए गया था। लोगों का बयान दर्ज किया गया है। गन एयर गन थी या नहीं और उसकी वैधता के संबंध में आर्म्स मजिस्ट्रेट को लिखा गया है। उनकी रिपोर्ट आने के बाद उसी के आधार पर पर्यवेक्षण टिप्पणी दी जाएगी। मुझे इस मामले की अलग से कोई जांच नहीं मिली है।"

डीएसपी का यह बयान कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है। यदि अभी तक आर्म्स मजिस्ट्रेट से यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि बरामद हथियार कानूनी रूप से किस श्रेणी में आता है, तो फिर पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति में उसे पहले ही "अवैध स्नाइपर टाइप हथियार" घोषित किस आधार पर कर दिया?

मामले का एक दूसरा पक्ष भी है। उज्ज्वल कुमार के विरुद्ध दर्ज पुराने मामलों को पुलिस उसके आपराधिक इतिहास के रूप में पेश कर रही है, जबकि परिवार का कहना है कि दो पुराने मुकदमे उस समय के हैं जब वह नाबालिग था। एक हत्या के मामले में परिवार का दावा है कि घटना में उसकी गाड़ी का इस्तेमाल किसी अन्य व्यक्ति ने किया था और उसकी प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। इन दावों की सत्यता का निर्णय न्यायालय करेगा, लेकिन वर्तमान मामले में प्रश्न बरामद हथियार की वैधता और पुलिस की कार्रवाई की प्रक्रिया को लेकर है।

बंजरिया थाना पहले भी विवादों में रहा है। थाना पर गलत प्राथमिकी दर्ज करने और दबावपूर्ण कार्रवाई के आरोप समय-समय पर लगते रहे हैं। सिंधिया के चर्चित शमशेर आलम प्रकरण में भी अलग-अलग स्तर पर जांच हो चुकी है और उस मामले को लेकर भी उच्च अधिकारियों के समक्ष शिकायतें लंबित बताई जाती हैं।

अब पूरे प्रकरण का सबसे अहम पहलू आर्म्स मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट है। यदि रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकलता है कि बरामद हथियार लाइसेंस-मुक्त एयर गन की श्रेणी में आता है, तो यह सवाल और गहरा जाएगा कि एक युवक को "अवैध स्नाइपर हथियार" रखने का प्रचार कर जेल भेजने की जल्दबाजी क्यों की गई।

फिलहाल, इस मामले में अंतिम तस्वीर आर्म्स मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट और पर्यवेक्षण टिप्पणी के बाद ही स्पष्ट होगी।

एलएनडी कॉलेज में गूंजी नशा मुक्ति की हुंकार, प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद दिलाई गई शपथ

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में रविवार को 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक बड़ी संख्या में ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। इस दौरान प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया, जिसे विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों ने गंभीरता से सुना। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद उपस्थित सभी लोगों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों को समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य ने युवाओं से मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए कहा कि नशा मुक्त भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन ने नशाखोरी के सामाजिक एवं राजनीतिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से अपनी ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में लगाने की अपील की। वहीं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रविरंजन सिंह ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।कार्यक्रम के दौरान नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) की नुक्कड़ नाटक टीम ने प्रभावशाली प्रस्तुति देकर नशे के दुष्परिणामों को जीवंत ढंग से दर्शाया। नाटक के माध्यम से बताया गया कि नशा किस प्रकार व्यक्ति, परिवार और समाज को अंदर से खोखला कर देता है। अंत में एनएसएस स्वयंसेवकों ने मोतिहारी एवं आसपास के क्षेत्रों में लगातार नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया।

मुंशी सिंह महाविद्यालय में नशामुक्त भारत का लिया संकल्प, पीएम मोदी का संबोधन देखा

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के मुंशी सिंह महाविद्यालय में रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के संयुक्त तत्वावधान में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक, एनसीसी ऑफिसर डॉ. नरेन्द्र सिंह, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. गौरव भारती, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार सहित एनएसएस स्वयंसेवक और एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे।इस दौरान प्रतिभागियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के शुभारंभ अवसर पर दिए गए संबोधन का लाइव प्रसारण दिखाया गया। प्रधानमंत्री ने युवाओं से नशे से दूर रहने, स्वयं जागरूक बनने और समाज में नशामुक्ति के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवक रिशु प्रताप सिंह ने सभी स्वयंसेवकों एवं कैडेट्स को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। वक्ताओं ने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। यदि युवा नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहेंगे, तो वे राष्ट्र निर्माण में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। नशामुक्त युवा ही स्वस्थ, सशक्त और विकसित भारत की मजबूत नींव रख सकते हैं। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि युवा स्वयं नशे से दूर रहेंगे और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

नवलपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

बीएनएम@ योगापट्टी: योगापट्टी प्रखंड के नवलपुर थाना परिसर में आगामी चहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता थाना के पुलिस अधिकारियों द्वारा की गई, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी और विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारा और शांति बनाए रखना था।प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि पर्व के दौरान डीजे बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा, किसी भी प्रकार के पारंपरिक या घातक हथियारों जैसे लाठी, भाला, फरसा और अवैध हथियारों का प्रदर्शन करना कानूनन अपराध माना जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। अंत में सभी ने प्रशासन का सहयोग करने और पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का संकल्प लिया।

मोहिउद्दीननगर में चोरों का आतंक

बीएनएम@ समस्तीपुर। मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र में चोरी की दो अलग-अलग वारदातों से स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। पहली घटना बिसनपुर बेरी पंचायत की है, जहाँ शनिवार की देर रात अज्ञात चोरों ने भाजपा अध्यक्ष मुकेश सिंह के घर के दरवाजे पर रखी करीब 10 बोरा सरसों चुरा ली। चोरी गई सरसों की बाजार कीमत लगभग 30 हजार रुपये आंकी गई है। पीड़ित ने आशंका जताई है कि इस घटना को नशे के आदि लोगों द्वारा अंजाम दिया गया होगा। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।वहीं, दूसरी घटना करीमनगर पंचायत के नवादा गांव (वार्ड-11) में घटी, जहाँ चोरों ने दो किसानों के मोटर चुरा लिए। चोर रामबालक राय और कृष्णदेव साह का लगभग 13-13 हजार रुपये मूल्य का मोटर खोलकर ले गए। कुल चोरी गए मोटरों की कीमत करीब 26 हजार रुपये बताई जा रही है। घटना के बाद पीड़ित किसानों ने पुलिस को सूचना दे दी है। इस संबंध में मोहिउद्दीननगर थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि चोरी की घटना की सूचना मिल गई है और आवेदन प्राप्त होते ही पुलिस विधि-सम्मत कानूनी कार्रवाई करेगी।

बिहार के दर्शकों का मिला है हमेशा अपार प्यार: सक्षी देओल

फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रचार के लिए पटना पहुँचे अभिनेता

बीएनएम@ पटना। अभिनेता सनी देओल रविवार को अपनी आगामी फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रचार अभियान की शुरुआत करने के लिए पटना पहुँचे। उनके साथ उनके बेटे भी मौजूद रहे। पटना एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में प्रशंसकों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। मीडिया से बातचीत में सनी देओल ने कहा कि उन्होंने अपनी फिल्म के प्रचार की शुरुआत बिहार से करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि यहाँ के दर्शकों ने उन्हें हमेशा भरपूर प्यार और समर्थन दिया है।उन्होंने बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है क्योंकि इसमें उनके बेटे भी पर्दे पर उनके साथ नजर आएंगे। पटना एयरपोर्ट पर प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ी, जहाँ फैंस के साथ तस्वीरें लेने की होड़ लगी रही। पटना के बाद वह देश के अन्य शहरों का भी दौरा करेंगे।

गर्भवती विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

ससुराल पक्ष पर लगाया हत्या का आरोप

बीएनएम@ बेतिया: पश्चिम चंपारण के बैरिया थाना क्षेत्र के लौकरिया पंचायत स्थित धुनिया टोली में आठ माह की गर्भवती 19 वर्षीया हाजरा खातून की इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर छत से धक्का देकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है, जबकि ससुराल पक्ष का दावा है कि अचानक तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हुई।सूचना मिलते ही बैरिया थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच बेतिया भेज दिया। वहीं, फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम ने भी घटनास्थल पर पहुँचकर साक्ष्य जुटाए।मृतका के पिता मनसूर आलम ने गहनों के विवाद को लेकर ससुराल पक्ष के चार लोगों पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराने का आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि अभी लिखित आवेदन नहीं मिला है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर मामले की गहन छानबीन की जा रही है।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में एनडीए की जीत तय: संजय झा

बीएनएम@ पटना: जनता दल (यूनाइटेड) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत पूरी तरह सुनिश्चित है। उन्होंने विश्वास जताया कि एनडीए प्रत्याशी भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज करेंगे और जनता का पूर्ण समर्थन गठबंधन के साथ है। उनके अनुसार, सभी सहयोगी दल पूरी एकजुटता के साथ मैदान में हैं और चुनाव परिणाम एनडीए के पक्ष में ही आएगा।राजनीतिक बयान के अलावा, संजय झा ने कॉमनवेल्थ खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाया है। वर्ष 2034 के ओलंपिक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बेहतर अवसरों और संसाधनों के बल पर भारत अधिक पदक जीतने में सफल होगा।संजय झा ने बिहार सरकार की खेल नीति की सराहना करते हुए कहा कि बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुलिस समेत विभिन्न विभागों में सीधी नियुक्ति दी जा रही है। साथ ही, युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे युवा भविष्य में देश और बिहार का नाम रोशन करेंगे।

मित्रता केवल सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं तक सीमित नहीं, हर सुख-दुख में साथ निभाने का नाम है दोस्ती : शास्त्री जी

बीएनएम@ पताही

अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस के अवसर पर रविवार को पताही प्रखंड क्षेत्र में मित्रता दिवस की विशेष धूम देखने को मिली। सुबह से ही फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोगों ने अपने मित्रों को शुभकामनाएं देते हुए तस्वीरें, वीडियो और यादगार पलों को साझा किया। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्गों के लोगों ने अपने-अपने अंदाज में मित्रता दिवस मनाया। कई लोगों ने अपने पुराने दोस्तों के साथ बिताए गए सुनहरे पलों को याद करते हुए भावुक संदेश भी साझा किए।

इसी अवसर पर पताही प्रखंड क्षेत्र के जीहूली उत्तरी पंचायत के समाजसेवी सह पंचायत समिति सदस्य पदमाक्ष रंजन उर्फ शास्त्री जी ने मित्रता दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि केवल सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल देने या शुभकामना संदेश भेज देने से मित्रता का दायित्व पूरा नहीं हो जाता। मित्रता एक ऐसा अनमोल रिश्ता है जिसे विश्वास, समर्पण, त्याग, ईमानदारी और अपनापन की मजबूत नींव पर बनाया जाता है। सच्ची दोस्ती वही होती है जो हर परिस्थिति में एक-दूसरे का साथ निभाए।

उन्होंने कहा कि मित्र ही एक ऐसा रिश्ता है जिसे हर व्यक्ति स्वयं चुनता है। परिवार के रिश्ते हमें जन्म से मिलते हैं, लेकिन दोस्ती का रिश्ता हमारी सोच, व्यवहार और विश्वास के आधार पर बनता है। यही कारण है कि सच्चा मित्र जीवन के हर मोड़ पर हमारा सबसे बड़ा सहारा बन जाता है। जब पूरी दुनिया साथ छोड़ देती है, तब एक सच्चा दोस्त बिना किसी स्वार्थ के हमारे साथ खड़ा रहता है और हमें आगे बढ़ने का हौसला देता है।

शास्त्री जी ने कहा कि आज के आधुनिक और डिजिटल दौर में लोगों के पास सोशल मीडिया पर हजारों मित्र हो सकते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में वही व्यक्ति सच्चा मित्र कहलाता है जो आपके दुख में सबसे पहले आपका हाथ थामे और बिना किसी अपेक्षा के आपकी मदद करे। मित्रता केवल हंसी-मजाक और खुशियों तक सीमित नहीं होती, बल्कि कठिन समय में एक-दूसरे का संबल बनना ही सच्ची दोस्ती की पहचान है।

उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि मित्रता दिवस को केवल एक औपचारिक दिवस के रूप में न मनाएं, बल्कि अपने मित्रों के प्रति हमेशा ईमानदार, सहयोगी और संवेदनशील बने रहें। उन्होंने कहा कि आज समाज में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और व्यस्त जीवनशैली के कारण रिश्तों में दूरियां बढ़ रही हैं। ऐसे समय में मित्रता का रिश्ता लोगों को जोड़ने और समाज में प्रेम, भाईचारा एवं आपसी विश्वास को मजबूत करने का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि एक सच्चा मित्र कभी भी अपने दोस्त को गलत रास्ते पर नहीं जाने देता, बल्कि हमेशा सही दिशा दिखाने का प्रयास करता है। जीवन में सफलता और असफलता दोनों परिस्थितियों में जो मित्र आपका मनोबल बढ़ाए, वही सबसे बड़ा धन होता है। इसलिए हमें मित्रता के इस पवित्र रिश्ते का सम्मान करना चाहिए और इसे हमेशा ईमानदारी के साथ निभाना चाहिए।

अंत में शास्त्री जी ने क्षेत्रवासियों एवं देशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी लोग आपसी प्रेम, भाईचारा, सहयोग और विश्वास की भावना के साथ समाज को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने मित्रों के साथ-साथ समाज के प्रति भी मित्रवत व्यवहार अपनाए, तो एक बेहतर, सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक समाज का निर्माण संभव है।

विशेष अभियान में हरसिद्धि पुलिस की कार्रवाई, चार वारंटी समेत सात गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

अपराधियों और फरार वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत हरसिद्धि पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार वारंटियों सहित कुल सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में फरार अभियुक्तों और न्यायालय से निर्गत वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार विशेष छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में हरसिद्धि थाना कांड संख्या 329/26 के नामजद अभियुक्त योगेंद्र सहनी (55), उनकी पत्नी सीमा देवी तथा अजय सहनी, सभी निवासी पानापुर मलाही टोला, को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा टीआर संख्या 1672/25 के वारंटी कारी मांझी एवं उनकी पत्नी रामावती देवी, निवासी हरसिद्धि मुसहरी टोला, को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। वहीं टीआर संख्या 40/26 के वारंटी बिनोद साहनी एवं उसकी पत्नी अनीता देवी, निवासी धनखरैया, को भी छापेमारी कर दबोच लिया गया। पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

अवैध शराब की बड़ी खेप के साथ अपाचे सवार दो तस्कर गिरफ्तार, वाहन जब्त

बीएनएम@ पहाड़पुर

बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को धरातल पर सख्ती से लागू करने और अवैध मदिरा के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पहाड़पुर थाना पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष अजय कुमार के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापामारी कर अवैध शराब की खेप ले जा रहे दो तस्करों को रंगे हाथ धर दबोचा। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम को क्षेत्र में बाइक से अवैध शराब की तस्करी किए जाने की गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष अजय कुमार के निर्देश पर घेराबंदी कर सघन जांच और छापामारी अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान एक संदिग्ध अपाचे मोटरसाइकिल को आते देखा गया। पुलिस बल को देखते ही बाइक सवार भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन मुस्तैद पुलिस जवानों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को मौके पर ही दबोच लिया। पुलिस द्वारा बाइक की गहन तलाशी लेने पर उसके पास से 75 पीस '8 PM' फ्रूटी ब्रांड की अवैध देसी/विदेशी शराब बरामद की गई। इसके साथ ही तस्करी में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर BR 05 BV 4880 है, को भी पुलिस ने तुरंत जब्त कर लिया। पकड़े गए दोनों आरोपियों की पहचान पहाड़पुर थाना क्षेत्र के ग्राम सरेया मिसरायन टोला निवासी अभिमन्यु कुमार, पिता जितेंद्र प्रसाद तथा राजन कुमार, पिता रविन्द्र कुमार के रूप में की गई है। मामले की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि क्षेत्र में किसी भी कीमत पर अवैध शराब का निर्माण, बिक्री या परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शराब तस्करों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस का यह कड़ा अभियान आगे भी अनवरत जारी रहेगा। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध बिहार मध्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

तुरकौलिया थाना भी विवादों में: पंचायत राज पदाधिकारी ने महिला दरोगा पर गाली-गलौज और वीडियो डिलीट करने का लगाया आरोप

बंजरिया के बाद एक और थाना सवालों के घेरे में, एसपी स्वर्ण प्रभात की सख्ती पर उठने लगे सवाल

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है।

बंजरिया थानाध्यक्ष अमित कुमार पर लगे गंभीर आरोपों की जांच अभी पूरी भी नहीं हुई है कि अब तुर्कौलिया थाना भी विवादों में आ गया है।

लगातार सामने आ रहे आरोपों ने यह बहस तेज कर दी है कि क्या जिले के कुछ थानों में पुलिसकर्मी बेलगाम होते जा रहे हैं और क्या पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की शुरुआती सख्ती का असर अब कमजोर पड़ने लगा है।

शनिवार को पुलिस अधीक्षक को दिए गए लिखित आवेदन में पश्चिमी चंपारण के नौतन प्रखंड के प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी राजन कुमार ने आरोप लगाया है कि 1 अगस्त 2026 की शाम वह 27 जुलाई को हुई एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल तीन लोगों के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए तुरकौलिया थाना पहुंचे थे।

आवेदन के अनुसार, वहां मौजूद महिला अवर निरीक्षक संतोषी कुमारी ने प्राथमिकी लेने से इनकार कर दिया और कथित रूप से उनके साथ अभद्र व्यवहार एवं गाली-गलौज की। हालांकि बाद मे थाना प्रभारी ने आवेदन ले लिया।

आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब उन्होंने घटना का वीडियो अपने मोबाइल से रिकॉर्ड करना शुरू किया तो महिला पुलिस पदाधिकारी ने जबरन मोबाइल छीन लिया और रिकॉर्ड किया गया वीडियो डिलीट कर दिया।

शिकायतकर्ता का यह भी कहना है कि एक अन्य महिला पुलिस अधिकारी ने भी उनके साथ दुर्व्यवहार किया, जबकि थाना प्रभारी ने अधीनस्थ पुलिसकर्मियों का ही पक्ष लिया। आवेदन में थाना परिसर के सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने की मांग भी की गई है।

उल्लेखनीय है कि संतोषी कुमारी पूर्व में हरसिद्धि थाना में भी इसी प्रकार के आरोपों में निलंबित हो चुकी हैं और उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की मांग गयी है।

हालांकि, बीएनएम द्वारा संपर्क किए जाने पर अवर निरीक्षक संतोषी कुमारी ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि आरोप पूरी तरह निराधार हैं और थाना परिसर में इस प्रकार की कोई घटना नहीं हुई। थाना प्रभारी ने भी घटना पर अपनी सफाई दी है।

वहीं, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी राजन कुमार ने बीएनएम से बातचीत में कहा कि थाना परिसर में पुलिसकर्मियों का व्यवहार बेहद शर्मनाक था। उन्होंने बताया कि इस पूरे प्रकरण की जानकारी पुलिस अधीक्षक पूर्वी चंपारण तथा बिहार के पुलिस महानिदेशक को भी लिखित रूप से दे दी गई है।

अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात इस नए प्रकरण में क्या कार्रवाई करते हैं।

नशा मुक्त युवा के लिए विकसित भारत' जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम@ शेखपुरा

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, शेखपुरा में रविवार को "नशा मुक्त युवा के लिए विकसित भारत" विषय पर एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पदाधिकारी शेखर आनंद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के युवाओं से जुड़कर महत्वपूर्ण संदेश दिया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को, बल्कि उसके परिवार, समाज और देश के उज्ज्वल भविष्य को भी अंधकार में धकेल देता है। विकसित भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब देश का युवा पूरी तरह नशा मुक्त, स्वस्थ और ऊर्जावान हो।कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण और 'जल-जीवन-हरियाली' अभियान के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाते हुए जिला पदाधिकारी को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला विकास पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के डीपीओ, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, एनसीसी कैडेट्स और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एमजीसीयू में आरबीआई का ई-बात कार्यक्रम, छात्रों को डिजिटल बैंकिंग और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के प्रबंधन विज्ञान विभाग में भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई), पटना के तत्वावधान में ई-बात (Electronic Banking Awareness and Training) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल बैंकिंग, सुरक्षित डिजिटल भुगतान, साइबर सुरक्षा और वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरूक बनाना था। इस अवसर पर डिजिटल बैंकिंग विषय पर प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सपना सुगंधा ने की। उन्होंने कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था के वर्तमान दौर में वित्तीय साक्षरता प्रत्येक विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम सुरक्षित डिजिटल लेन-देन के प्रति विश्वास बढ़ाने के साथ विद्यार्थियों को जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. शिवेंद्र सिंह, सह आचार्य, ने किया। आरबीआई, पटना से पहुंचे सहायक महाप्रबंधक अमित कुमार, प्रबंधक मानस जेना, प्रबंधक अमन चौधरी तथा सहायक प्रबंधक प्रशांत गुप्ता ने डिजिटल भुगतान प्रणाली, यूपीआई सुरक्षा, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, वित्तीय समावेशन और सुरक्षित ऑनलाइन बैंकिंग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को डिजिटल लेन-देन के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों और साइबर अपराधों से बचाव के व्यावहारिक उपाय भी बताए। कार्यक्रम में विभाग के डॉ. सरोज रंजन, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. श्रीनिवास बालागोनी, डॉ. दिलीप कुमार, डॉ. कमलेश कुमार, डॉ. राजीव रंजन चौबे एवं प्रसून श्रीवास्तव सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। वहीं शोधार्थी रितेश गुप्ता, उत्सव जनप्रिय, ज्योत्सना शुक्ला, सिद्धांत लाल और सुकृति दीप समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

फरार हत्यारोपियों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कुर्की-जब्ती के बाद लोगों ने थानाध्यक्ष के कार्यशैली को सराहा

बीएनएम@ हरसिद्धि

हत्या के चर्चित मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों के खिलाफ हरसिद्धि पुलिस ने रविवार को न्यायालय के आदेश पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके घरों में कुर्की-जब्ती अभियान चलाया। पुलिस ने विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन करते हुए आरोपियों के घरों से चौखट, दरवाजे और खिड़कियां तक जब्त कर लीं। कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता और कानून के प्रति सख्त रवैये की सराहना की। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई थाना कांड संख्या 269/26 में न्यायालय के आदेश के अनुपालन में की गई। मामला पहले पैसों के लेनदेन को लेकर हुई मारपीट से जुड़ा था, जिसमें घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद मामले को हत्या में परिवर्तित कर धारा 103(1)/3(5) के तहत दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, न्यायालय द्वारा आरोपियों को आत्मसमर्पण करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। इसके लिए डुगडुगी पिटवाकर तथा इश्तिहार चस्पा कर विधिवत सूचना भी दी गई, लेकिन निर्धारित अवधि के भीतर किसी भी आरोपी ने आत्मसमर्पण नहीं किया। इसके बाद न्यायालय से कुर्की-जब्ती का आदेश प्राप्त होने पर रविवार को कार्रवाई अमल में लाई गई। इस दौरान भोला साह (पिता राधा साह), संजीव कुमार (पिता भोला साह) एवं रीता देवी (पति भोला साह), सभी निवासी घीवाढार, थाना हरसिद्धि, के घरों में नियमानुसार कुर्की-जब्ती की गई। न्यायालय के आदेश के तहत घरों से चौखट, दरवाजे और खिड़कियां तक जब्त की गईं। गौरतलब है कि इसी मामले में मृतक के परिजनों ने घटना के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए थाना परिसर के सामने शव रखकर सड़क जाम किया था और विरोध-प्रदर्शन किया था। इसके बाद पुलिस ने अनुसंधान में तेजी लाते हुए न्यायालय की प्रक्रिया पूरी की और फरार आरोपियों के खिलाफ कुर्की-जब्ती जैसी कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित कराई। कार्रवाई के दौरान थानाध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में पर्यवेक्षी अधिकारी इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह, अपर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, दरोगा बनाफल अक्षय कुमार, अंकित कुमार, अरविंद कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। वहीं, कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस की सक्रियता और न्यायालय के आदेश के प्रभावी अनुपालन की सराहना करते हुए कहा कि कानून से बचने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आवश्यक है।

मुद्दे को दलगत रंग

मुद्दा संसदीय गतिरोध नहीं, बल्कि सड़कों पर खड़ा हो रहा गतिरोध है। सरकार को इसे समझने की संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। मुद्दे को दलगत दायरे में समेटने का नजरिया जोखिम भरा साबित हो सकता है। मुद्दा शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, लेकिन सरकार ने अपना पक्ष रखने की जिम्मेदारी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को सौंपी। उधर अपनी प्रेस कांफ्रेंस में जेपी नड्डा ने कॉकरोच आंदोलन की मांगों पर चर्चा करने के बजाय संसदीय गतिरोध दूर करने के लिए विपक्ष के सामने प्रस्ताव रखा। कहा कि नीट और अन्य परीक्षाओं में 'वर्तमान एनडीए एवं पूर्व यूपीए सरकारों के दौरान हुईÓ पेपर लीक की घटनाओं पर सरकार संसद में पूरी चर्चा के लिए तैयार है। स्पष्टतः इस मुद्दे को उन्होंने दलगत रंग दिया। मतलब सरकार चाहती है कि सड़क पर उठ रहे सवालों को दरकिनार कर सत्ता पक्ष और विपक्ष पेपर लीक एवं परीक्षा व्यवस्था ध्वस्त के प्रश्नों पर आपसी तू तू-मैं मैं का साया डाल दें!

और अगर विपक्ष ऐसा करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो संसदीय गतिरोध की जिम्मेदारी उसके माथे पर डाली जाए। बहरहाल, विपक्षी दल इतना तो शायद समझते ही हैं कि युवा मन की उथल-पुथल को नजरअंदाज करना उनके लिए अपनी प्रासंगिकता को दांव पर लगाना होगा। तो विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया है कि कॉकरोच आंदोलन की इन तीन मांगों को मानना गतिरोध तोड़ने की पूर्व शर्त हैः शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, दिल्ली में 20 जुलाई को 'शांतिपूर्णÓ प्रदर्शनकारियों पर हुए 'जुल्मÓ की जवाबदेही तय की जाए, और प्रधानमंत्री छात्रों से माफी मांगें। देश में युवा असंतोष के इजहार से जिस तरह की सूरत बन रही है, सरकार के लिए इन मांगों को मान लेना बुद्धिमानी की बात होगी। 20 जुलाई को राजधानी में लाठी चार्ज, आंसू गैस और कथित रूप से पैलेट गन के इस्तेमाल की खबरों ने युवा आक्रोश को और भड़काया है। दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की कुछ टिप्पणियों ने मरहम लगाने के बजाय विपरीत प्रतिक्रिया पैदा की है। ऐसे में मुख्य मुद्दा संसदीय गतिरोध नहीं, बल्कि सड़कों पर खड़ा हो रहा गतिरोध है। सरकार को इस स्थिति को समझने की संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। सड़क पर के गतिरोध का समाधान फिलहाल उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुद्दे को दलगत दायरे में समेटने का नजरिया जोखिम भरा साबित हो सकता है।

नेपाल में भी मजहबी कट्टरपंथियों ने भड़काई सांप्रदायिक हिंसा ?

मनोज कुमार अग्रवाल

नेपाल के दक्षिणी हिस्से मधेस और कोशी प्रांत में कांवड़ बोलबम यात्रा और मुहर्रम के लाउडस्पीकर विवाद को लेकर भड़की सांप्रदायिक हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत होना बिगड़ते हालात को बयान करता है यहा भी कट्टरपंथी मजहबी तत्व सिर उठाने लगे हैं। तनाव को देखते हुए सुनसरी, सिरहा, सर्लाही और जनकपुर सहित 6 से अधिक शहरों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है और स्थिति को काबू में करने के लिए नेपाली सेना को जमीन पर उतार दिया गया है। इस ताजा हिंसा के मामले चिंता बढ़ाने वाले है। नेपाल के सुनसरी जिले से शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा अब कई जिलों तक फैल चुकी है। तीन लोगों की मौत, कई जिलों में कर्फ्यू और सरकार की कार्रवाई पर उठ रहे सवालों के बीच जानिए आखिर नेपाल में क्या हो रहा है? हिंसा की शुरुआत और कारण लाउडस्पीकर और झंडे का विवादः हिंसा की शुरुआत 26 जुलाईकी रात सुनसरी जिले के देवानगंज (कप्तानगंज क्षेत्र) से हुई। वहां एक पक्ष की ओर से बोलबम यात्रा की तैयारी चल रही थी और दूसरे पक्ष का भी धार्मिक कार्यक्रम था। डीजे पर तेज संगीत बजाने और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर दोनों समुदायों के बीच कहासुनी हुई, जिसने देखते ही देखते हिंसक झड़प का रूप ले लिया। हालात इतने बिगड़ गए कि कई इलाकों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा, पुलिस को गोली चलानी पड़ी और अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसा के बाद नेपाल सरकार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। सुरक्षा विशेषज्ञों, विपक्ष और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का आरोप है कि समय रहते राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप नहीं होने से हालात बेकाबू हो गए। पथराव और आगजनीः उपद्रवियों ने कई दुकानों, वाहनों और सरकारी संपत्तियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया। हताहत और वर्तमान स्थितितीन मौतेंः पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों और फायरिंग में अब तक तीन लोगों (ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव) की मौत हो चुकी है। कर्फ्यू और सेना की तैनातीः सुनसरी और सिरहा के गोलबाजार, लहान, इनरवा और जनकपुर जैसे संवेदनशील इलाकों में सेना फ्लैग मार्च कर रही है और हेलिकॉप्टर से भी निगरानी रखी जा रही है। नेपाल सरकार की अपीलः नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने देश के नाम संदेश जारी कर लोगों से सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील की है। भारत सीमा पर हाई अलर्टनेपाल के ये हिंसा प्रभावित जिले भारत के बिहार राज्य की सीमा से सटे हुए हैं। सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए भारत-नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) और स्थानीय पुलिस अतिरिक्त चौकसी बरत रही है तथा सीमा पार आने-जाने वाले लोगों की सघन जांच की जा रही है।

आपको बता दें कि नेपाल के तराई क्षेत्र में हाल के दिनों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा केवल पड़ोसी देश की कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है। भारत से लगी खुली सीमा, दोनों देशों के बीच गहरे सामाजिक संबंध और सीमावर्ती क्षेत्रों की साझा आर्थिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों को देखते हुए यह घटनाक्रम भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। सुनसरी जिले के कप्तानगंज में दो समुदायों के बीच शुरू हुआ विवाद यदि सिराहा, धनुषा और अन्य क्षेत्रों तक तनाव का कारण बन रहा है, तो इसे सामान्य स्थानीय झड़प मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार हिंसा, पथराव, आगजनी और सुरक्षाबलों के साथ झड़पों के बाद नेपाल के कई संवेदनशील क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया गया है। लोगों की आवाजाही, सभाओं, प्रदर्शनों और सार्वजनिक बैठकों पर रोक लगाई गई है। संवेदनशील स्थानों, सरकारी कार्यालयों और प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। नेपाल की सेना और सशस्त्र पुलिस बल को भी निगरानी में लगाया गया है। इन कदमों से स्पष्ट है कि नेपाली प्रशासन स्थिति की गंभीरता को समझ रहा है, लेकिन असली चुनौती केवल हिंसा रोकना नहीं, बल्कि उसके पीछे सक्रिय अफवाहों, उकसावे और संगठित कट्टरता की पहचान करना है। सांप्रदायिक हिंसा प्रायः अचानक दिखाई देती है, लेकिन उसकी जमीन लंबे समय में तैयार होती है। किसी धार्मिक आयोजन, जुलूस, रास्ते, नारे, सोशल मीडिया पोस्ट या मामूली विवाद को बहाना बनाकर भीड़ को भड़काया जाता है। कुछ घंटों में स्थानीय विवाद सामुदायिक संघर्ष में बदल जाता है। इसके बाद झूठी तस्वीरें, पुराने वीडियो और अपुष्ट संदेश आग में घी का काम करते हैं। नेपाल में भी प्रशासन को यह जांचना होगा कि क्या सुनसरी की घटना के पीछे कोई सुनियोजित अभियान, भड़काऊ प्रचार या बाहरी सहायता से चलने वाला नेटवर्क सक्रिय था। नेपाली मीडिया में सामने आई कथित सुरक्षा रिपोर्टों ने चिंता को और बढ़ाया है। बताया गया है कि नेपाल की आई पुलिस फोर्स ने कुछ वर्ष पहले ही तराई-मधेस क्षेत्र में धार्मिक और जातीय तनाव भड़काने वाले तत्वों को लेकर सरकार को सतर्क किया था। यदि वास्तव में ऐसी चेतावनी दी गई थी और उस पर समय रहते पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह गंभीर प्रशासनिक चूक मानी जाएगी। खुफिया सूचनाओं का उद्देश्य केवल दस्तावेज तैयार करना नहीं, बल्कि संभावित संकट को रोकने के लिए नीति और कार्रवाई तय करना होता है। हालांकि इस संवेदनशील परिस्थिति में सबसे अधिक सावधानी भाषा और आरोपों को लेकर बरतने की आवश्यकता है। किसी पूरे समुदाय, धर्म, क्षेत्र या जनसंख्या समूह को हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराना न केवल अनुचित है, बल्कि इससे तनाव और बढ़ सकता है। धार्मिक स्थलों, मदरसों, मंदिरों, बस्तियों या जनसंख्या में बदलाव से संबंधित दावों की निष्पक्ष और प्रमाण-आधारित जांच होनी चाहिए। अपुष्ट जनसांख्यिकीय आशंकाओं को राजनीतिक हथियार चनाना समाज को और विभाजित कर सकता है। समस्या कट्टरपंथ, हिंसक संगठन और कानून तोड़ने वाले तत्व हैं कि किसी धर्म के सामान्य नागरिक नहीं। नेपाल की सामाजिक संरचना बहुधार्मिक, बहुभाषी और बहुजातीय है। तराई क्षेत्र में हिंदू, मुस्लिम, मधेसी, थारू, पहाड़ी और अन्य समुदाय लंबे समय से साथ रहते आए हैं। इस सामाजिक ताने-बाने की रक्षा नेपाल सरकार की पहली जिम्मेदारी है। स्थानीय धार्मिक नेताओं, नागरिक संगठनों, शिक्षकों, पत्रकारों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को शांति बहाली में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। केवल पुलिस बल के भरोसे स्थायी शांति स्थापित नहीं की जा सकती। संवाद, विश्वास बहाली और निष्पक्ष न्याय भी उतने ही आवश्यक हैं। भारत के वि भारत के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण खुली सीमा है। भारत और नेपाल के नागरिक अनेक स्थानों पर बिना पासपोर्ट और वीजा के सीमा पार करते हैं। व्यापार, रोजगार, चिकित्सा, शिक्षा और पारिवारिक संबंधों के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। ऐसी स्थिति में नेपाल की हिंसा का असर बिहार और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों पर पड़ना स्वाभाविक है। अफवाहें, भड़काऊ सामग्री, असामाजिक तत्व या अवैध हथियार सीमा पार न पहुंचें, इसके लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। बिहार से लगी सीमा पर हाई अलर्ट उचित कदम है, लेकिन सतर्कता का अर्थ सामान्य यात्रियों और सीमावर्ती नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं होना चाहिए। सशस्त्र सीमा बल, स्थानीय पुलिस, खुफिया एजेंसियों और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर प्रसारित झूठी खबरों पर भी तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। सीमावर्ती गांवों में शांति समितियों और स्थानीय प्रतिनिधियों से संवाद बढ़ाकर अफवाहों को शुरुआती स्तर पर रोका जा सकता है। भारत और नेपाल के बीच सुरक्षा सहयोग को भी मजबूत करने की आवश्यकता है। दोनों देशों की एजेंसियों को हिंसा फैलाने वाले संगठनों, अवैध धन प्रवाह, हथियारों की तस्करी और डिजिटल प्रचार नेटवर्क से जुड़ी सूचनाएं साझा करनी चाहिए। किसी भी कट्टरपंथी संगठन को खुली सीमा का लाभ उठाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि सुरक्षा के नाम पर किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ भेदभाव न हो। नेपाल सरकार को हिंसा की निष्पक्ष न्यायिक या उच्चस्तरीय जांच करानी चाहिए। मौतों, पुलिस कार्रवाई, आगजनी और संपत्ति के नुकसान से जुड़े प्रत्येक मामले की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। दोषियों के विरुद्ध उनके धर्म या राजनीतिक संबंध की परवाह किए बिना कार्रवाई की जाए। यदि पुलिस की ओर से अत्यधिक बल प्रयोग हुआ है, तो उसकी भी जांच हो। कानून की निष्पक्षता ही लोगों का विश्वास वापस ला सकती है। नेपाल में लगी यह आग भारत के लिए चेतावनी है कि सीमावर्ती शांति को कभी स्थायी मानकर नहीं चला जा सकता। दोनों देशों को मिलकर कट्टरता, अफवाह और हिंसा की राजनीति का सामना करना होगा। नेपाल की स्थिरता भारत के हित में है और भारत की संवेदनशीलता नेपाल के हित में। आवश्यकता भय फैलाने की नहीं, बल्कि समय रहते सतर्क, निष्पक्ष और समन्वित कार्रवाई करने की है। सांप्रदायिक हिंसा का उत्तर किसी दूसरे समुदाय के प्रति संदेह नहीं, बल्कि कानून, संवाद और सामाजिक एकता है। नेपाल सरकार को अब पूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाते हुए तराई में विश्वास और शांति बहाल करनी होगी, वरना तराई का यह तनाव दोनों देशों की साझा शांति के लिए एक बड़ा खतरा बन जाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सरकार और भाजपा को हर मोर्चे पर मात

हरिशंकर व्यास

नीट यूजी पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर पर हुए आंदोलन में सरकार और भाजपा को हर मोर्चे पर मात मिली। पिछले 12 साल में तैयार किया गया उसका कोई भी टूल इस बार काम नहीं आया। तमाम कोशिश के बावजूद सरकार, भाजपा और समर्पित मीडिया मिल कर इस आंदोलन को देशद्रोहियों का या भारत विरोधियों का या अमेरिका, चीन, पाकिस्तान प्रायोजित नहीं बता पाए। क्योंकि छात्रों और युवाओं के आक्रोश की वजहें इतनी ठोस थीं कि वे इस आंदोलन को सरकार विरोधी आंदोलन भी नहीं बता सके। इससे पहले हर आंदोलन में सरकार का अपना एक पक्ष होता था। जैसे किसान आंदोलन के समय भी सरकार का पक्ष था कि जो तीन केंद्रीय कानून बनाए गए हैं वो किसानों के भले के लिए हैं, उनके हित में हैं और देश के हित में भी हैं। लेकिन यह बात वे पेपर लीक के बारे में तो नहीं कह सकते थे कि पेपर लीक छात्रों और देश के हित में है। किसान आंदोलन के समय कहा जा रहा था कि सरकार किसानों के हित में कानून ले आई है लेकिन आढ़तिए या दूसरे हित समूह मिल कर किसानों को गुमराह कर रहे हैं। लेकिन ऐसी कोई बात छात्रों और युवाओं के आंदोलन में नहीं कही जा सकती थी। इसलिए पहले दिन से सरकार बैकफुट पर थी।

भाजपा, केंद्र सरकार के इकोसिस्टम और मीडिया ने किसानों के आंदोलन को खालिस्तान से जोड़ दिया था, आंदोलनकारियों को खालिस्तानी और आतंकवादी कहा जा रहा था, उनके आंदोलन में विदेशी हाथ बताया जा रहा था, अंतरराष्ट्रीय सिंगर रिहाना से लेकर युवा आंदोलनकारी ग्रेटा थनबर्ग और दिशा रवि को भारत विरोधी टूलकिट का हिस्सा बताया जा रहा था। उससे पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ हुए प्रदर्शनों और विरोध को सरकार ने घुसपैठियों को बचाने की कवायद बता दिया था। सरकार ने अपने इकोसिस्टम के जरिए यह बात स्थापित कर दी थी कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची

में हैं और मुस्लिम तुष्टिकरण व वोट बैंक की राजनीति के चक्कर में कांग्रेस व दूसरी विपक्षी पार्टियां एसआईआर का विरोध कर रही हैं।

इसी तरह नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए के खिलाफ शाहीन बाग से लेकर देश के दूसरे हिस्से में हुए आंदोलन को भी मुस्लिम तुष्टिकरण और पाकिस्तान, बांग्लादेश प्रायोजित आंदोलन बताया गया। रोहित वेमुला से लेकर जेएनयू तक में हुए प्रदर्शन से लेकर सीएए और कृषि कानूनों के खिलाफ हुए आंदोलन को सरकार ने बड़ी आसानी से टुकड़े टुकड़े गैंग का आंदोलन साबित कर दिया था। सरकार और भाजपा ने इन मामलों में जनमानस आंदोलनकारियों के खिलाफ बनाने में कामयाबी हासिल कर ली थी। लेकिन पेपर लीक मामले में सरकार ऐसा नहीं कर पाई। इसका एक कारण तो यह था कि आंदोलनकारियों की एक ही अस्मिता थी वह थी 'जेन जीÓ की। हर जाति, धर्म, वर्ग और राज्य के युवा इसमें शामिल हुए। दूसरा कारण यह था कि प्रदर्शनकारियों के पास पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी का ठोस कारण था। तीसरा कारण यह था कि शुरुआत में तमाम राजनीतिक दल और पेशेवर प्रदर्शनकारी इससे दूर थे। चौथा कारण यह था कि आंदोलन योजनाबद्ध या प्रायोजित नहीं था।

इसलिए सरकार की ओर से इसकी साख बिगाड़ने की कोशिश हुई भी तो कामयाबी नहीं मिली। कई नेताओं ने बेशर्मी के साथ इसे विदेशी साजिश बताने का प्रयास किया। कहा गया कि अभिजीत दीपके अमेरिका से आए हैं और वे सीआईए के एजेंटे हैं। यह भी कहा गया कि बड़ी साजिश के तहत 20 जुलाई की घटना हुई और उसका मकसद संसद पर हमला करना था ताकि नेपाल और बांग्लादेश जैसी स्थिति बनाई जा सके।

लेकिन ऐसा कोई भी प्रयास कामयाब नहीं हुआ। छात्रों ने कोई उकसावे वाली कार्रवाई नहीं की। छिटपुट पत्थरबाजी और सुरक्षाकर्मियों से धक्कामुक्की के अलावा कोई ऐसी घटना नहीं हुई, जिसे किसी बड़ी साजिश के साथ जोड़ा जा सके। जब सारे दांव फेल हुए तब आनन फानन में प्रधानमंत्री का वीडियो संदेश जारी हुआ, नया बिल लाने की घोषणा हुई, सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल समाप्त कराई गई, शिक्षा विभाग के अधिकारी बदले गए और कॉकरोच जनता पार्टी के साथ बातचीत शुरू हुई। बिना किसी राजनीतिक प्रशिक्षण के छात्र व युवा आंदोलन के लिए उतरे थे और उन्होंने मोदी सरकार को मजबूर किया कि वह उनकी शर्तें मान कर बातचीत करे।

खेल में अपनी प्रतिभा को पहचाने और भविष्य संवारें

तेजबहादुर सिंह भुवाल, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

एक समय था जब यह माना जाता था कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही उज्ज्वल भविष्य और अच्छी नौकरी का मार्ग है। इसी सोच को दर्शाते हुए कहा जाता था- 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे बनोगे खराब।Ó लेकिन आज का भारत इस धारणा को पूरी तरह बदल चुका है। इसलिए आज के दौर में यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही सफलता का एकमात्र मार्ग है। यदि किसी में खेल के प्रति जुनून, अनुशासन और समर्पण है, तो वह खेलों के माध्यम से भी अपने सपनों को साकार कर सकता है। शिक्षा और खेल, दोनों मिलकर व्यक्तित्व का समग्र विकास करते हैं तथा जीवन में सफलता के नए द्वार खोलते हैं। खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, अनुशासन और सफलता की ऐसी पाठशाला है, जहाँ से भविष्य के विजेता तैयार होते हैं। आज खेलों में करियर की असीम संभावनाएँ हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान, रोजगार, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक पहचान मिल रही है। ऐसे समय में प्रत्येक युवा के लिए आवश्यक है कि वह अपनी खेल प्रतिभा को पहचाने और उसे सही दिशा देकर अपने भविष्य को संवारे। हर बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष क्षमता होती है। किसी की गति उसे उत्कृष्ट धावक बनाती है तो किसी की फुर्ती कबड्डी, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, तीरंदाजी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल या अन्य खेलों में सफलता दिला सकती है। यदि प्रतिभा को समय पर प्रशिक्षण और अवसर मिले, तो वही खिलाड़ी प्रदेश और देश का गौरव बनता है। खेलों का सबसे बड़ा योगदान यह है कि वे जीवन के महत्वपूर्ण गुणों का विकास करते हैं। अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, समय प्रबंधन और संघर्ष का साहस खेल के मैदान में ही सीखा जाता है। यही गुण आगे चलकर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नींव रखते हैं। छत्तीसगढ़ में खेलों को नया स्वरूप देने की दिशा में राज्य शासन ने उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने तथा खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार, खेल अकादमियों को सुदृढ़ करना तथा विभिन्न स्तरों पर

प्रतियोगिताओं का आयोजन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसी के साथ ही इस वर्ष से छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया है। विशेष रूप से बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी अभिनव पहल ने खेलों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया है। इन आयोजनों ने दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। परंपरागत खेलों के साथ आधुनिक खेलों को भी बढ़ावा देकर हजारों युवाओं, महिलाओं और बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। इन प्रतियोगिताओं ने यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने की क्षमता रखते हैं। इसके साथ ही विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं, ग्रामीण खेल आयोजनों, प्रतिभा खोज कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से नई प्रतिभाओं की पहचान की जा रही है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, सम्मान और विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तर पर कई पुरस्कार प्रदान करती है। जिसमे गुंडाधुर सम्मान शामिल है। यह छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण के तहत दिया जाने वाला सर्वोच्च खेल पुरस्कार है। यह पुरस्कार बस्तर के वीर नायक गुंडाधुर की स्मृति में, खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है। दूसरा महाराज प्रवीरचंद भंजदेव के नाम पर है। यह पुरस्कार विशेष रूप से तीरंदाजी के खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ में खेल प्रोत्साहन योजना भी शुरू की गई है, जिससे युवाओं में खेल का अवसर प्राप्त हो सके। छत्तीसगढ़ के कई ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, जो छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। वर्तमान में ज्ञानेश्वरी यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ग्लासगो) में महिला 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। अमितेश कुजूर ने राष्ट्रमंडल खेल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसी प्रकार अन्य खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतकर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। आज खेल केवल खिलाड़ी बनने तक सीमित नहीं हैं। खेल प्रशिक्षक, फिटनेस विशेषज्ञ, खेल प्रबंधन, खेल विज्ञान, खेल पत्रकारिता और खेल प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए रोजगार और करियर के नए अवसर उपलब्ध हैं। इसलिए खेल को अब केवल शौक नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण के प्रभावी माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए। अभिभावकों और शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की रुचि और क्षमता को पहचानें तथा उन्हें खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। पढ़ाई और खेल एक-दूसरे के पूरक हैं। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही उत्कृष्ट शिक्षा और सफल जीवन का आधार बनते हैं। आज जब डिजिटल दुनिया बच्चों को मैदान से दूर कर रही है, तब आवश्यकता है कि उन्हें फिर से खेल मैदानों की ओर प्रेरित किया जाए।

मेष राशि : आज का दिन आर्थिक दृष्टिकोण से बेहद अनुकूल रहने वाला है। व्यापार और नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। भाई-बहनों और जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

वृष राशि : वृष राशि के नौकरीपेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में अपनी मधुर वाणी और अच्छे व्यवहार का भरपूर लाभ मिलेगा। उच्च अधिकारियों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे, जिससे पदोन्नति के नए मार्ग खुल सकते हैं। व्यापार से जुड़े फैसलों में थोड़ी सावधानी बरतें और कोई भी नया अनुबंध करने से पहले दस्तावेजों को अच्छी तरह जांच लें।

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातकों के लिए आज का दिन थोड़ा मानसिक तनाव और उलझनों भरा रह सकता है। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ किसी भी तरह की बहसबाजी या विवाद से दूर रहें, अन्यथा आपका काम प्रभावित हो सकता है। आर्थिक मामलों में हाथ थोड़ा तंग रहेगा।

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों को ग्रहों के शुभ गोचर के प्रभाव से आज जबरदस्त धन लाभ होने की प्रबल संभावना है। रचनात्मक और कलात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने और करियर में आगे बढ़ने का सुनहरा मौका मिलेगा। समाज में आपका मान-सम्मान और पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

सिंह राशि : सिंह राशि के जातकों की नेतृत्व क्षमता की आज कार्यक्षेत्र में जमकर सराहना होगी और आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए दिन बहुत अच्छा है, जिसका भविष्य में बड़ा लाभ मिलेगा। हालांकि, जमीन या संपत्ति से जुड़ा कोई भी बड़ा फैसला लेने से आज बचें और निवेश के मामलों में वरिष्ठों की सलाह लें।

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों को किस्मत का पूरा साथ मिलने से रुके हुए सरकारी और व्यक्तिगत काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। व्यावसायिक यात्राएं अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगी और नए व्यावसायिक संबंध स्थापित होंगे जो आगे चलकर मुनाफा देंगे। छात्रों को शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में मनमुताबिक सफलता मिलने के योग हैं।

तुला राशि : तुला राशि के जातकों को आज अपने स्वास्थ्य और खान-पान के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है। धन के लेन-देन और नए निवेश के मामलों में जल्दबाजी बिल्कुल न करें, अन्यथा बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों पर काम का दबाव अधिक रहेगा, जिससे मानसिक थकान हो सकती है।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातकों को व्यापार और साझेदारी के कामों में अप्रत्याशित सफलता मिलने से मन बेहद प्रसन्न रहेगा। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिल सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार होगा। अविवाहित जातकों के लिए विवाह के नए और अच्छे प्रस्ताव आ सकते हैं, जिससे घर में उत्सव का माहौल रहेगा।

धनु राशि : धनु राशि के जातकों के अनावश्यक खर्चों और मानसिक चिंताओं में बढ़ोतरी होने के कारण उनका बजट थोड़ा प्रभावित हो सकता है। विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखें और किसी के उकसावे में आकर कार्यस्थल या घर पर कोई गलत कदम न उठाएं।

मकर राशि : मकर राशि के नौकरीपेशा जातकों को उच्च अधिकारियों के पूर्ण सहयोग से बड़ी खुशखबरी या प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं। लंबे समय से अटके हुए कार्यों को अचानक गति मिलेगी और पैतृक संपत्ति से भी बड़ा लाभ होने की संभावना है। समाज के प्रतिष्ठित लोगों से आपकी मुलाकात होगी, जो आपके करियर के लिए फायदेमंद साबित होगी।

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में अपनी गुप्त योजनाओं और मन की बातों को हर किसी के साथ साझा करने से बचना चाहिए। आज आपके खर्चे अचानक बढ़ सकते हैं, इसलिए पैसों के प्रबंधन और दैनिक बजट पर विशेष ध्यान दें। वाहन चलाते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

मीन राशि : मीन राशि के जातकों का धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों की तरफ रुझान बढ़ेगा, जिससे मन को असीम शांति मिलेगी। संतान की ओर से करियर या शिक्षा के क्षेत्र में कोई सुखद समाचार मिल सकता है जिससे परिवार का नाम रोशन होगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रचा

एजेंसी, ताइपे (ताइवान)

भारत की 17 वर्षीय उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। रविवार को खेले गए फाइनल में तन्वी ने वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को सीधे गेमों में 21-16, 21-16 से हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम किया।

महज 36 मिनट तक चले मुकाबले में तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अनुभवी वियतनामी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। इस शानदार जीत के साथ उन्होंने अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की। पिछले साल यूएस ओपन सुपर-300 में उपविजेता रहीं तन्वी ने इस बार खिताब जीतकर साबित कर दिया कि वह भारतीय बैडमिंटन की अगली बड़ी स्टार बनने की राह पर हैं। उनके खेल में लगातार आक्रामकता और निरंतरता साफ दिखाई दी।

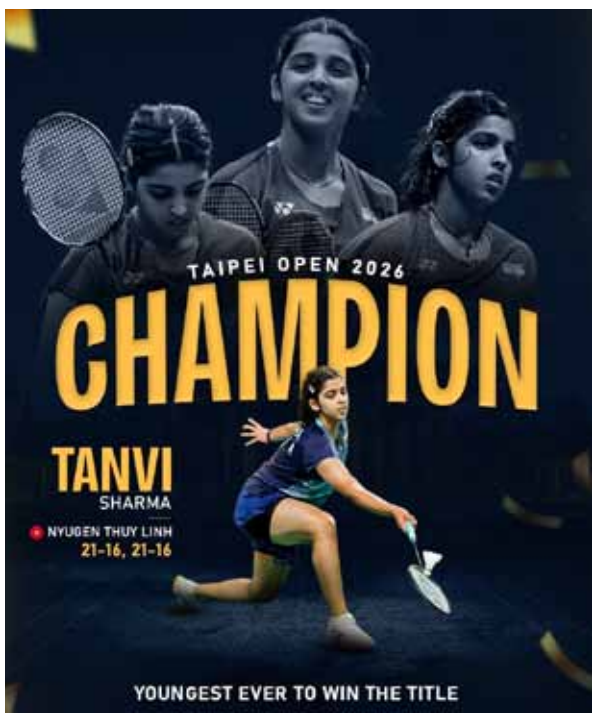

भारतीय बैडमिंटन संघ (बाएआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तन्वी की उपलब्धि की सराहना करते हुए लिखा, 17 साल की उम्र... रिकॉर्ड तोड़ने वाली... चैंपियन! तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन 2026 जीतकर टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे युवा चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। साथ ही वह सुपर-300+ खिताब जीतने वाली भारत की चौथी महिला एकल खिलाड़ी भी बन गई हैं।" तन्वी ने फाइनल में पहुंचने से पहले सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन को 21-17, 21-11 से हराया था। तन्वी शर्मा की यह ऐतिहासिक जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है और आने वाले वर्षों में उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

ताइपे ओपन चैंपियन तन्वी शर्मा को पीवी सिंधु ने दी बधाई, बोलीं- 'मुझे तुम पर गर्व है'

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय तन्वी शर्मा को बधाई दी। सिंधु ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है और मेहनत करती रहो। मुझे तुम पर गर्व है। तन्वी शर्मा ने रविवार को ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को 21-16, 21-16 से हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब

जीता। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

युवा खिलाड़ी को बधाई देते हुए पीवी सिंधु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "मुझे इस लड़की पर बेहद गर्व है। मैं कई वर्षों से कहती आ रही हूं कि तन्वी में एक बेहद खास खिलाड़ी बनने के सभी गुण हैं। प्रतिभा, शानदार शॉट्स खेलने की क्षमता और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का सामना करने का साहस, उसमें सब कुछ है।" सिंधु ने आगे कहा कि उसे केवल थोड़ी और स्थिरता और अनुभव की जरूरत थी और यह देखकर बहुत खुशी होती है कि अब वह सब उसके खेल में दिखाई दे रहा है। तन्वी, यह तो सिर्फ शुरुआत है। मेहनत करती रहो, खुद पर विश्वास बनाए रखो और हमेशा बेहतर बनने की भूख बनाए रखो। तुम जैसे खिलाड़ियों के साथ भारतीय बैडमिंटन का भविष्य बेहद उज्ज्वल है।

मुझे तुम पर बहुत गर्व है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने युवा तन्वी को बधाई और कहा कि भारतीय बैडमिंटन का भविष्य उज्ज्वल है। प्राधिकरण ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, 17 साल की उम्र। निडर। जिसे कोई रोक न सके। इतिहास अब तन्वी शर्मा के नाम है।

ग्लासगो में भारतीय बॉक्सरों की चमक, अंकुश-सचिन स्वर्ण विजेता, लवलीना को रजत

एजेंसी, ग्लासगो

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। शनिवार को अंकुश पंघाल और सचिन सिवाच ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के मुक्केबाजी अभियान को नई ऊंचाई दी, जबकि ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहाईं ने महिला 75 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। इन शानदार प्रदर्शनों की बदौलत भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया। पुरुषों के 80 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में अंकुश पंघाल ने मेजबान इंग्लैंड के शिट्टू

डिमेजी को 4-1 के स्प्लिट फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता। पहले राउंड में कुछ जजों के स्कोरकार्ड पर पिछड़ने के बावजूद अंकुश ने दूसरे और तीसरे राउंड में शानदार वापसी की। आक्रामक पंच, सटीक काउंटर अटैक और बेहतरीन रिंग कंट्रोल के दम पर उन्होंने मुकाबले का रुख अपने पक्ष में कर लिया। तीन जजों ने उन्हें 29-26 से विजेता घोषित किया, जबकि अन्य दो जजों ने 28-27 का फैसला दिया, जिनमें एक अंकुश और एक इंग्लैंड के मुक्केबाज के पक्ष में था। पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में भारत के सचिन सिवाच ने नामीबिया के ट्रायअगेन मोनीं नदेवेलो को बेहद करीबी मुकाबले में 3-2 के स्प्लिट निर्णय से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तीनों राउंड में कांटे की टक्कर देखने को मिली। सचिन ने पूरे मुकाबले में संयम बनाए रखा और निर्णायक मौकों पर सटीक पंच लगाकर जजों को प्रभावित किया। अंत में तीन जजों ने भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में फैसला सुनाया, जबकि दो जजों ने नामीबियाई खिलाड़ी को बढ़त दी। महिला 75 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में भारत की स्टार मुक्केबाज और टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहाईं को ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री के खिलाफ 4-1 के स्प्लिट फैसले से हार का सामना करना पड़ा। लवलीना ने पूरे मुकाबले में शानदार संघर्ष किया और कई प्रभावी पंच भी लगाए, लेकिन जजों ने ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाज की आक्रामकता और रिंग नियंत्रण को अधिक प्रभावी माना। इसके बावजूद लवलीना ने रजत पदक जीतकर भारत के पदक अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शनिवार को भारतीय मुक्केबाजों ने कुल नौ पदक जीते, जिनमें सात स्वर्ण और दो रजत शामिल रहे। स्वर्ण पदक जीतने वालों में अंकुश पंघाल, सचिन सिवाच, अरुंधति चौधरी, प्रिया, साक्षी, प्रीति और जैस्मीन शामिल हैं, जबकि लवलीना बोरगोहाईं और जादूमणि सिंह ने रजत पदक हासिल किए। इसके अलावा पुरुषों की एफ-57 शॉटपुट स्पर्धा में भारत ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया तथा जूडो में कांस्य पदक भी जीता।

डीपीएल सीजन-3: पहली जीत के लक्ष्य के साथ सोमवार को मैदान में उतरेगी पुरानी दिल्ली-6

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-3 में अपने पहले मैच में हार झेलने के बाद पुरानी दिल्ली-6 सोमवार को अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्ट दिल्ली लायंस का सामना करते हुए वापसी करने की कोशिश करेगी। मैच से पहले टीम के कप्तान अनुज रावत ने कहा कि टीम जीत की राह पर लौटने के लिए तैयार है। टूर्नामेंट के पहले हाई-स्कोरिंग मैच में सेंट्रल दिल्ली किंग्स से चार विकेट से हारने के बावजूद पुरानी दिल्ली 6 को कई सकारात्मक बातें सीखने को मिलीं, जिनमें सबसे खास कप्तान अनुज

रावत की शानदार नाबाद शतकीय पारी थी। पहले मैच में जब टीम का स्कोर 30/3 था, तब कप्तान अनुज ने दबाव में पारी संभाली और देव लाकरा के साथ मिलकर 132 रनों की साझेदारी की, जिससे पुरानी दिल्ली 6 ने 202/4 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। हालांकि नतीजा उनके पक्ष में नहीं रहा और सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने छह विकेट पर 204 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। अब पुरानी दिल्ली 6 अपने अगले मैच में वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी और टीम पहले मैच से मिली सकारात्मक चीजों को आगे बढ़ाना चाहेगी। सोमवार के मैच से पहले टीम के कप्तान अनुज रावत ने कहा कि टीम ने जल्दी ही अपना ध्यान अगली चुनौती पर लगा लिया है और जीत की राह पर लौटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "व्यक्तिगत रूप से मैं अपनी बल्लेबाजी से खुश हूं और शतक लगाना हमेशा खास होता है।

बिजनेस

घरेलू सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में दिखी सांकेतिक तेजी

- साप्ताहिक आधार पर चांदी के भाव में 5 हजार रुपये की गिरावट आई

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दो दिन तक तेजी दिखाने के बाद सोने की कीमत में आज कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इसके विपरीत चांदी के भाव में आज सांकेतिक तेजी नजर आ रही है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 360 रुपये प्रति 10 ग्राम लेकर 390 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चांदी के भाव में आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली तेजी नजर आ रही है।

कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,370 रुपये प्रति 10

ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में सांकेतिक तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो लगातार उठापटक होने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में कमजोरी आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक नीचे आ गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 750 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई। चांदी भी उतार-चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में सस्ता हो गया। कीमत में आई गिरावट के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,44,220 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सुभाष चंद्रा और पुनीत गोयनका के खिलाफ सेबी का सख्त एक्शन, एक साल तक ट्रांजेक्शन पर रोक, भारी-भरकम जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने तय नियमों के उल्लंघन के आरोप में जी इंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज (जेडईईएल), कंपनी के सीईओ पुनीत गोयनका और कंपनी के ऑनररी चेयरमैन तथा एस्सेल ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा के खिलाफ सख्त एक्शन लिया है। सेबी ने कंपनी के साथ ही इन दोनों पदाधिकारियों पर एक तय समय तक सिक्योरिटी मार्केट में किसी भी तरह का ट्रांजेक्शन करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही इन पर भारी भरकम जुर्माना भी लगाया है।

सेबी की ओर से जारी ऑर्डर में कहा गया है कि जी इंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज अगले 2 महीने तक सिक्योरिटी मार्केट में किसी भी तरह का ट्रांजैक्शन नहीं कर सकेगा। वहीं, पुनीत गोयनका और सुभाष चंद्रा पर सिक्योरिटी मार्केट में 12 महीने तक किसी भी तरह का ट्रांजेक्शन करने पर रोक लगाई गई है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने कंपनी और इन दोनों पदाधिकारी पर कुल 1.48 करोड़ रुपये का जुर्माना भी ठोका है। इसमें जी एंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज पर 30

लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जबकि पुनीत गोयनका पर 58 लाख रुपये और सुभाष चंद्र पर 60 लाख रुपये का जुर्माना ठोका गया है।

आपको बता दें कि 2018-19 की ऑडिट रिपोर्ट में जी इंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज के ऑडिटर ने खुलासा किया था कि कंपनी की कुछ अचल संपत्तियों के टाइटल डीड गायब हैं। इस खुलासे के बाद सेबी ने मामले की जांच शुरू की। इस जांच के दायरे में जी इंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज द्वारा सेबी के लिस्टिंग रेगुलेशंस और प्रोहिबिशन ऑफ फ्रॉडलेंट एंड अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिसेज (पीएफयूटीपी) रेगुलेशंस का उल्लंघन करने की बात का भी विशेष ध्यान रखा गया।

सेबी की जांच से पता चला कि एस्सेल ग्रुप की चार कंपनियां जीनेक्स इंफ्राबिल्ड, जीनेक्स प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, विवेक इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड और रेनू रीयलटेक ने दिसंबर 2016 में इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (आईएचएफएल) से 726 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। इस प्रक्रिया में एस्सेल होम प्राइवेट लिमिटेड को-बॉरोअर के रूप में शामिल हुई थी। सेबी की जांच में इस बात का भी पता चला कि कर्ज लेने वाली कंपनियों की ओनरशिप कई तरह के कॉर्पोरेट लेयर्स के माध्यम से प्रमोटर फेमिली से जुड़ी हुई थी।

मार्केट रेगुलेटर की जांच में इस बात का भी पता चला कि सिक्योरिटी कवर मेंटेन करने में नाकाम रहने पर इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने एडिशनल कोलेटरल के लिए नवंबर 2018 में नोटिस भी जारी किया था। इसके बाद 27 दिसंबर 2018 को जी एंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज की तरफ से एक डिक्लेरेशन और एक्नॉलेजमेंट दिया गया। इसके तहत कंपनी की हैदराबाद स्थित प्रॉपर्टी की ओरिजिनल टाइटल डीड कर्ज की एडिशनल सिक्योरिटी के रूप में इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पास जमा की गई।

यूपीआई लेन-देन जुलाई में 29.9 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑनलाइन पेमेंट की लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के मुताबिक लोकप्रिय यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए होने वाले लेन-देन का मूल्य जुलाई में फिर से 29.9 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। एनपीसीआई की शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई माह में लेन-देन की संख्या 23.66 अरब रही है, जो मई के 23.2 अरब और जून के 22.72 अरब से अधिक है। इससे पहले मई, 2026 में भी यूपीआई के जरिए लेन-देन 29.9 लाख करोड़ रुपये के

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में लेन-देन का मूल्य 29.88 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी महीने में 25.08 लाख करोड़ रुपये था। इस प्रकार इसमें सालाना आधार पर 19 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। यूपीआई के जरिए लेन-देन अब यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, मॉरीशस और कतर सहित लगभग दस देशों में सक्रिय है। जानकारों का कहना है कि "यूपीआई भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र की नींव को लगातार मजबूत कर रहा है। इसने जुलाई, 2026 में 29.88 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 23.66 अरब लेनदेन को संसाधित किया, जो लाखों भारतीयों के लिए भुगतान के पसंदीदा माध्यम के रूप में इसकी भूमिका की पुष्टि करता है।"

सरकार ने राज्यों को कर हस्तांतरण की 1,09,019 करोड़ रुपये की अतिरिक्त किस्त जारी की

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने राज्यों को उनकी पूंजी और विकासात्मक खर्च को तेज करने के लिए एक अग्रिम किस्त के तौर पर 1,09,019 करोड़ रुपये के कर हस्तांतरण की अतिरिक्त किश्त जारी की है। यह सामान्य मासिक राशि के अतिरिक्त है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि केंद्र ने राज्य सरकारों को 1.09 लाख करोड़ रुपये के कर हस्तांतरण की अतिरिक्त किश्त जारी की है। ये राशि सामान्य मासिक धनराशि के अतिरिक्त है। इस समय एक वित्त वर्ष के दौरान केंद्र द्वारा एकत्र किए गए करों का 41 प्रतिशत राज्यों को 14 किश्तों में हस्तांतरित किया जाता है। मंत्रालय ने कहा, "केंद्र सरकार ने 1 अगस्त को राज्य सरकारों को 1,09,019 करोड़ रुपये के कर हस्तांतरण की अतिरिक्त किश्त जारी की है, जो 10 अगस्त को जारी किए जाने वाले सामान्य मासिक हस्तांतरण के अतिरिक्त है।" ये धनराशि 10 अगस्त को निर्धारित नियमित मासिक हस्तांतरण के अतिरिक्त है। वित्त मंत्रालय द्वारा राज्यवार जारी धनराशि के विवरण के अनुसार उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 19,208 करोड़ रुपये मिले हैं। इसके बाद बिहार को 10,845 करोड़ और मध्य प्रदेश को 8,010 करोड़ रुपये मिले है। पश्चिम बंगाल को 7,666 करोड़ और महाराष्ट्र को 7,022 करोड़ रुपये मिले। साथ ही छोटे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी उनका हिस्सा मिला है। इनमें सिक्किम को 365 करोड़ गोवा को 398 करोड़ और नागालैंड को 524 करोड़ रुपये मिले, जो सूची में सबसे कम आवंटन वाले राज्य शामिल हैं।

जुलाई में देश का कोयला उत्पादन 7.51 प्रतिशत बढ़ा, आवंटन में 17.34 प्रतिशत वृद्धि

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में जुलाई के दौरान कोयला उत्पादन में 7.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि में कुल उत्पादन 69 करोड़ 75 लाख टन (अनंतिम) रहा, जबकि जुलाई 2025 में यह 64 करोड़ 88 लाख टन था। इसी महीने कोयला आवंटन में भी उल्लेखनीय 17.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 86 करोड़ 33 लाख टन (अनंतिम) तक पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष जुलाई में यह 73 करोड़ 57 लाख टन था।

कोयला मंत्रालय ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में जुलाई तक का संचयी उत्पादन 302 करोड़ 24 लाख टन (अनंतिम) रहा, जबकि

संचयी आवंटन 354 करोड़ 70 लाख टन (अनंतिम) दर्ज किया गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 5.87 प्रतिशत अधिक है। कोल इंडिया लिमिटेड ने जुलाई में 50 करोड़ 35 लाख टन (अनंतिम) उत्पादन किया, जो जुलाई 2025 की तुलना में 8.42 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने जुलाई 2026 में 63 करोड़ 67 लाख टन (अनंतिम) कोयला प्रेषित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17.43 प्रतिशत अधिक है। संचयी आवंटन में भी 6.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

ओटीटी पर 'है जवानी तो इश्क होना है' का धमाका: वरुण, मृणाल और पूजा की प्रेग्नेंसी-कॉमेडी अब ज़ी5 पर स्ट्रीम

वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर जैसे सितारों से सजी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' ने सिनेमाघरों के बाद अब डिजिटल दुनिया में दस्तक दे दी है। बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन के बाद से ही फैंस इसकी ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। आखिरकार दर्शकों का यह इंतजार खत्म हो गया है और फिल्म ने ओटीटी प्लेटफॉर्म ज़ी5 (ZEE5) पर अपना शानदार डिजिटल डेब्यू कर लिया है। जो लोग इस मजेदार और पारिवारिक ड्रामा फिल्म को सिनेमाघरों के बड़े पर्दे पर देखने से चूक गए थे, वे अब इसे घर बैठे आराम से देख सकते हैं। मेकर्स ने इसकी ओटीटी रिलीज का आधिकारिक ऐलान करते हुए एक बेहद ही मजेदार संदेश भी साझा किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि एक तरफ एक्स है, दूसरी तरफ नेक्स्ट है और बीच में जस के साथ फुल ऑन मेस है, तो फिर ऐसे में हंगामा, भ्रम और कॉमेडी की पूरी गारंटी है।फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की सबसे बड़ी यूएसपी इसका दिलचस्प और उलझा हुआ प्लॉट है। कहानी में मुख्य किरदार जसविंदर उर्फ जस का है, जिसकी भूमिका वरुण धवन ने निभाई है। जस की शादी बानी (मृणाल ठाकुर) से होती है, लेकिन शादी के कुछ समय बाद ही दोनों के बीच परिवार बढ़ाने और बच्चों को लेकर गंभीर मतभेद पैदा हो जाते हैं। बानी और जस की सोच अलग होने के कारण बात तलाक तक पहुंच जाती है और दोनों का यह रिश्ता टूट जाता है। तलाक के बाद जब जस अकेलेपन से जूझ रहा होता है, तब उसकी जिंदगी में प्रीत (पूजा हेगड़े) की एंट्री होती है। प्रीत का चुलबुला अंदाज जस को दोबारा प्यार में पड़ने पर मजबूर कर देता है और दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब आ जाते हैं।कहानी का असली ट्विस्ट और मजेदार हंगामा तब शुरू होता है जब जस की पूर्व पत्नी बानी और उसकी मौजूदा प्रेमिका प्रीत, दोनों एक ही समय पर प्रेग्नेंट हो जाती हैं। एक पुरुष के लिए उसकी एक्स-वाइफ और नेक्स्ट-गर्लफ्रेंड का एक साथ प्रेग्नेंट होना किसी बड़े सदमे से कम नहीं होता, और जस भी इसी स्थिति का शिकार बन जाता है। इसके बाद शुरू होता है झूठ, भयंकर कन्फ्यूजन और जबरदस्त फैमिली ड्रामे का एक ऐसा अंतहीन सिलसिला, जिसे निर्देशक डेविड धवन ने अपने सिग्नेचर अंदाज में परदे पर उतारा है। जस खुद को बचाने के लिए एक के बाद एक कई झूठ बोलता जाता है, जिसके कारण वह और उसका पूरा परिवार भ्रम के एक ऐसे जाल में फंस जाता है जहां से निकलना नामुमकिन लगने लगता है।अगर बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों और व्यापारिक प्रदर्शन की बात करें तो इस फिल्म ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर कुल 74.82 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म का कुल बजट लगभग 55 करोड़ रुपये था, जिसके लिहाज से फिल्म ने अपनी लागत वसूल कर ली और मुनाफे में रही। इस फिल्म के निर्देशन की कमान वरुण धवन के पिता और बॉलीवुड के 'कॉमेडी किंग' कहे जाने वाले निर्देशक डेविड धवन ने संभाली है। मुख्य त्रिकोण के अलावा फिल्म में मनीष पॉल, चंकी पांडे, जिमी शेरगिल, मौनी रॉय, अली असगर, राजेश कुमार, राकेश बेदी, कुब्रा सैत और रोहित सराफ जैसे कई प्रतिभाशाली एक्टर्स भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। इस भव्य प्रोजेक्ट का निर्माण मशहूर प्रोड्यूसर रमेश तौरानी और गौरव बोस ने मिलकर किया है। कुल मिलाकर, यदि आप इस सप्ताह किसी मजेदार, हल्की-फुल्की और ट्विस्ट से भरी फिल्म की तलाश में हैं, तो ज़ी5 पर स्ट्रीम हो रही यह फिल्म आपके लिए मनोरंजन का एक बेहतरीन जरिया साबित हो सकती है।

14 साल की उम्र से शुरु हो गया था एली अवराम का बॉलीवुड फिल्मों से जुडाव

स्वीडन के स्टॉकहोम में जन्मीं अभिनेत्री एली अवराम का बॉलीवुड तक का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। विदेशी सरज़मीन पर बैठकर भारतीय फिल्मों का सपना देखना और उसे साकार करना यह एली की अदम्य इच्छाशक्ति का प्रमाण है। एली को बचपन से ही कला, खासकर नृत्य, गायन और अभिनय में गहरी रुचि थी। उनका भारत और बॉलीवुड से जुड़ाव तब शुरू हुआ जब वह महज 14 साल की थीं। उस उम्र में जब ज्यादातर बच्चे अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित होते हैं, एली ने संजय लीला भंसाली की भव्य फिल्म देवदास देखी। लगभग चार घंटे की इस फिल्म ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। फिल्म के शानदार सेट, भारतीय परिधानों की सुंदरता, मनमोहक संगीत और कलाकारों के सशक्त अभिनय ने उनके मन में बॉलीवुड के लिए एक ऐसी खास जगह बना दी, जिसने उनके जीवन की दिशा तय कर दी। भले ही उन्हें तब हिंदी भाषा नहीं आती थी, उन्होंने उसी क्षण ठान लिया कि एक दिन वह हिंदी फिल्मों का हिस्सा बनेंगी। अपने इस सपने को पंख देने के लिए एली ने कम उम्र से ही मेहनत शुरू कर दी। 17 साल की आयु में, वह स्टॉकहोम के परदेसी डांस ग्रुप से जुड़ीं, जहाँ उन्होंने बॉलीवुड गानों पर प्रदर्शन करना सीखा। स्वीडन में रहते हुए भी उन्होंने कुछ एक्टिंग प्रोजेक्ट्स में काम किया, जिनमें साल 2008 की स्वीडिश फिल्म फॉर्बिडन फ्रूट प्रमुख थी। आखिरकार, साल 2012 में, एली ने अपने बॉलीवुड सपने को पूरा करने के लिए भारत की ओर रुख किया। वह एक टूरिस्ट वीजा पर मुंबई पहुंचीं, लेकिन उनका असली मकसद भारत घूमना नहीं, बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाना था। यह राह बिल्कुल आसान नहीं थी। एक नई भाषा, एक नई संस्कृति और फिल्म इंडस्ट्री की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच उन्होंने खुद को तैयार किया। उन्होंने लगन से हिंदी बोलना सीखा, भारतीय नृत्य शैलियों का प्रशिक्षण लिया और लगातार ऑडिशन देती रहीं। यह समय उनके धैर्य और संकल्प की अग्निपरीक्षा जैसा था। एली को पहला महत्वपूर्ण अवसर साल 2013 में आई फिल्म मिकी वायरस से मिला, जिसमें उन्होंने मनीष पॉल के साथ अभिनय किया। हालांकि, उन्हें घर-घर पहचान मिली इसी साल टीवी के सबसे बड़े रियलिटी शो बिग बॉस 7 में हिस्सा लेने के बाद। शो में उनकी मासूमियत, स्वीडिश लहजे और अलग अंदाज ने दर्शकों का दिल जीत लिया और वे रातोंरात एक जाना-पहचाना चेहरा बन गईं। बिग बॉस के बाद एली ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2015 में वह कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं में नज़र आईं, जिसके बाद उन्होंने नाम शबाना, पोस्टर बॉयज, बाजार, मलंग, कोई जाने ना, गुडबाय और गणपत जैसी कई उल्लेखनीय फिल्मों में काम किया। दिग्गज अभिनेता आमिर खान के साथ उनका गाना हर फन मौला भी काफी लोकप्रिय हुआ।

ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में मोनालिसा का बोल्ड अंदाज

फ्लोरल टियारा ने लूटी महफिल

भोजपुरी सिनेमा से लेकर टीवी जगत तक अपनी बोल्डनेस और बेहतरीन अदाकारी से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया फोटोशूट शेयर किया है, जिसमें उनका बेहद ग्लैमरस और बोल्ड अवतार देखने को मिल रहा है। मोनालिसा ने इस फोटोशूट के लिए एक बेहद हॉट लिटिल ब्लैक ड्रेस को चुना है। उनकी यह ड्रेस मिनी बॉडीकॉन स्टाइल में है, जिसमें नेकलाइन और वेस्ट एरिया पर ट्रांसपेरेंट मेश फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया है। यह डीप-नेक मेश आउटफिट मोनालिसा के कर्वी और परफेक्ट फिगर को बेहद खूबसूरती से उभार रहा है, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है। तस्वीरों में मोनालिसा एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वे अपने दोनों हाथों को बालों पर रखकर सिजलिंग पोज दे रही हैं, तो कभी दीवार और चेयर के सहारे टिककर उनके कातिलाना एक्सप्रेशंस फैंस को दीवाना बना रहे हैं। मोनालिसा ने अपने इस ग्लैम लुक को कम्प्लीट करने के लिए बालों को मिडिल पार्टिंग के साथ सॉफ्ट कर्ल्स देकर खुला छोड़ा है। कुछ तस्वीरों में वे अपने सिर पर लाल गुलाब के फूलों से बना एक खूबसूरत फ्लोरल टियारा पहने नजर आ रही हैं। डार्क मैरून लिपस्टिक, वेल-शेप्ड आईब्रो और मिनिमल मेकअप मोनालिसा के फेशियल फीचर्स को परफेक्टली हाइलाइट कर रहा है। मोनालिसा का यह लेटेस्ट ब्लैक मेश ड्रेस लुक इंटरनेट पर जमकर ट्रेंड कर रहा है।

मिर्जापुर : द मूवी का भौकाल होने वाला है शुरू

11 अगस्त को रिलीज होगा फिल्म का ट्रेलर

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपने तीन बेहद कामयाब और दमदार सीजन से दर्शकों के दिलों पर राज करने के बाद, अब 'मिर्जापुर' की खूंखार दुनिया बड़े पर्दे पर इतिहास रचने के लिए पूरी तरह तैयार है। अली फजल और कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी अभिनीत 'मिर्जापुरः द मूवी' का पहला टीजर पिछले महीने रिलीज होकर इंटरनेट पर तहलका मचा चुका है। टीजर के बाद से ही फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर जबरदस्त माहौल बना हुआ है और अब इसके आधिकारिक ट्रेलर से जुड़ा एक बहुत बड़ा और ताजा अपडेट सामने आया है। फिल्म के निर्माता इस बहुप्रतीक्षित ट्रेलर को एक बेहद भव्य और बड़े स्तर के कार्यक्रम (ग्रैंड इवेंट) में लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं।फिल्म उद्योग से जुड़े एक पुख्ता सूत्र ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि 'मिर्जापुरः द मूवी' का आधिकारिक ट्रेलर आगामी 11 अगस्त को दुनिया के सामने जारी किया जाएगा। सूत्र के अनुसार, बड़े पर्दे पर कालीन भैया और गुड्डू भैया के बीच की इस जंग को देखने की उल्टी गिनती अब शुरू हो चुकी है। 11 अगस्त को आने वाला यह ट्रेलर दर्शकों को

सिनेमाघरों में फिल्म की रिलीज से पहले मिर्जापुर की इस नई और अनोखी दुनिया की अब तक की सबसे व्यापक तथा रोंगटे खड़े कर देने वाली झलक पेश करेगा। इस ट्रेलर लॉन्च इवेंट में फिल्म की पूरी स्टार कास्ट और मेकर्स के मौजूद रहने की उम्मीद है।इस फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी और फैंस के लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि फिल्म में दिव्येंदु शर्मा एक बार फिर अपने आइकोनिक किरदार 'मुन्ना भैया' के रूप में वापसी कर रहे हैं। गौरतलब है कि वेब सीरीज के दूसरे सीजन के अंत में मुन्ना भैया की मौत हो गई थी, जिसके बाद तीसरे सीजन में फैंस ने उन्हें बहुत मिस किया था। अब बड़े पर्दे पर उनकी इस रहस्यमयी और धमाकेदार वापसी ने दर्शकों की उत्सुकता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। इसके साथ ही टीजर में गुड्डू भैया (अली फजल) और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के दमदार तेवर और डायलॉग्स ने यह साफ कर दिया है कि सिनेमाघरों में इस बार पूर्वांचल की गद्दी के लिए होने वाला टकराव बेहद खूंखार और बड़े पैमाने पर होने वाला है। फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो मेकर्स ने सीरीज की मूल आत्मा को बरकरार रखते हुए एक बेहद मजबूत टीम खड़ी की है। फिल्म में अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, जितेंद्र कुमार, शीबा चड्ढा, श्रिया पिलगांवकर, श्वेता त्रिपाठी और सोनल एस चौहान जैसे बेहतरीन कलाकार मुख्य और महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। निर्देशक और निर्माताओं ने फिल्म के कैनवास और एक्शन सीन्स को सिनेमाघर के दर्शकों के अनुभव के हिसाब से काफी भव्य और लार्जर-देन-लाइफ बनाया है। एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही यह मोस्ट-अवेडेट गैंगस्टर ड्रामा फिल्म 4 सितंबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

शिल्पा शेट्टी ने दी मनगढ़ंत बातों पर भरोसा न करने की सलाह

हाल ही में सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के नाम से एक बयान जारी कर आरक्षण नीति को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। अभिनेत्री ने इस बयान को पूरी तरह से फर्जी और निराधार बताया है। इंस्टाग्राम स्टोरीज के माध्यम से अपनी चुप्पी तोड़ते हुए शिल्पा शेटटी ने कहा कि यह खबर दुर्भावनापूर्ण और झूठी है और उन्होंने अपने प्रशंसकों को ऐसी मनगढ़ंत बातों पर भरोसा न करने की सलाह दी। मालूम हो कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब जुलाई के अंतिम सप्ताह में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के एक आंदोलन की समाप्ति के बाद रिजर्वेशन हटाओ आंदोलन (आरएचए) नामक एक नया डिजिटल अभियान सोशल मीडिया पर जोर पकड़ने लगा। इसी दौरान, शिल्पा शेट्टी के नाम से एक बयान वायरल होना शुरू हुआ, जिसमें कथित तौर पर उन्हें जाति-आधारित आरक्षण नीति के खिलाफ कड़ी टिप्पणी करते हुए दर्शाया गया था। इस वायरल पोस्ट में यह भी दावा किया गया था कि अभिनेत्री ने जाति के आधार पर अलग मेडिकल ट्रीटमेंट की वकालत की थी। सोशल मीडिया पर फैलाई गई उस झूठी पोस्ट में शिल्पा शेट्टी के हवाले से लिखा गया था, आरक्षण को मत छेड़िए। सामान्य वर्ग के डॉक्टरों को केवल सामान्य वर्ग के मरीजों का इलाज करने दें और बाकी सभी वर्गों के डॉक्टरों को केवल अपनी-अपनी जाति के मरीजों का इलाज करने दें। ऐसा कुछ सालों तक करके देखिए, फिर लोग खुद जाति आधारित आरक्षण खत्म करने की मांग करने लगेंगे। आरक्षण से कौशल हासिल नहीं किया जा सकता। यह बयान इतना संवेदनशील और विभाजनकारी था कि इसने तुरंत लोगों का ध्यान खींचा और एक बड़े विवाद को जन्म दिया।

दुनियाभर के दर्शकों को प्रभावित करेंगे विक्रांत श्री श्री रविशंकर की भूमिका में

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी अब एक बिल्कुल नए अवतार में नज़र आने वाले हैं। विक्रांत मैसी की आगामी फिल्म व्हाइट में वे वैश्विक आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के महत्वपूर्ण किरदार को पर्दे पर जीवंत करेंगे। हालिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 12वीं फेल से दर्शकों और आलोचकों का दिल जीतने वाले अभिनेता अब इस नए किरदार में दुनियाभर के दर्शकों को प्रभावित करेंगे। फिल्म को लेकर निर्माता महावीर जैन ने एक बड़ा दावा किया है कि विक्रांत का यह असाधारण अभिनय दुनिया भर के दर्शकों को गहराई से प्रभावित करेगा और भारत की आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान देगा। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर, निर्माता महावीर जैन ने इस फिल्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, आज जब पूरी दुनिया युद्ध, हिंसा और लगातार बढ़ते संघर्षों से जूझ रही है, ऐसे समय में व्हाइट जैसी फिल्म लोगों के सामने शांति, करुणा और समाधान का एक सशक्त संदेश लेकर आ रही है। यह केवल एक फिल्म नहीं है, बल्कि यह भारत की प्राचीन आध्यात्मिक सोच और जीवन मूल्यों को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने का एक शक्तिशाली माध्यम है। हमें विश्वास है कि यह फिल्म भारत की ओर से पूरी दुनिया के लिए एक अमूल्य उपहार साबित होगी, जो मानवता को एकजुट करने का संदेश देगी। महावीर जैन ने विक्रांत मैसी के अभिनय की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अभिनेता ने इस फिल्म में खुद को एक अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचाया है। श्री श्री रविशंकर जैसे एक सम्मानित और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु का किरदार निभाना आसान नहीं था, लेकिन विक्रांत ने अपनी कला और समर्पण से इसे पूरी ईमानदारी और गहरी समझ के साथ निभाया है। उनकी रिसर्च, बारीकियों पर ध्यान और किरदार में डूब जाने की क्षमता दर्शकों को निश्चित रूप से प्रभावित करेगी। हमें पूरा यकीन है कि फिल्म देखने के बाद दर्शक विक्रांत के इस अभिनय से प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाएंगे। फिल्म व्हाइट की कहानी राजनीति, मानवीय भावनाओं की जटिलताओं और रोमांच से भरपूर है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह एक सच्ची और ऐतिहासिक घटना से प्रेरित है।

गिंगम प्रिंट वाली स्कर्ट फिर चलन में आई, जानिए स्टाइल करने के 5 सुझाव

गिंगम प्रिंट एक ऐसा कपड़ा है, जो हमेशा से ही फैशन में रहा है। यह प्रिंट अपनी खास डिजाइन और रंगों के कारण महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को पहनकर आप न केवल आरामदायक महसूस करेंगी, बल्कि स्टाइलिश भी नजर आएंगे। आइए आज हम आपको गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को अलग-अलग तरीकों से पहनने के कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं, जो आपके लुक को खास बना देगा।

टी-शर्ट के साथ करें मेल गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को टी-शर्ट के साथ पहनना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। आप अपनी पसंदीदा रंग की टी-शर्ट को गिंगम प्रिंट की स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं। यह मेल न केवल आपको आरामदायक महसूस कराएगा, बल्कि आपको एक स्मार्ट लुक भी देगा। अगर आपकी स्कर्ट हल्के रंग की है तो गहरे रंग की टी-शर्ट चुनें और इसके विपरीत भी। इससे आपका लुक और भी खास लगेगा। अगर आप अपने गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को थोड़ा औपचारिक टच देना चाहती हैं तो उसके ऊपर एक अच्छी फिटिंग वाली जैकेट पहन सकती हैं। यह मेल ऑफिस मीटिंग या किसी विशेष अवसर पर जाने के लिए सही है। जैकेट आपके लुक को पेशेवर और आकर्षक बनाएगी, जिससे आप हर जगह अलग दिखेंगी। इसके साथ एक साधारण ब्लाउज या शर्ट पहनें और हल्के गहनों का उपयोग करें. ताकि आपका लुक संतुलित और मनोहर लगे।

स्नीकर्स के साथ बनाएं रोजमर्रा का लुक

गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को स्नीकर्स के साथ पहनना एक रोजमर्रा और आरामदायक तरीका हो सकता है। यह लुक खासकर तब अच्छा लगता है जब आप किसी शॉपिंग या दोस्तों के साथ बाहर घूमने जा रही हों।

इसके अलावा यह आपके रोजमर्रा के कामों में भी सहायक रहेगा। स्नीकर्स के साथ गिंगम प्रिंट की स्कर्ट पहनकर आप न केवल आरामदायक महसूस करेंगी, बल्कि स्टाइलिश भी दिखेंगी। इसके साथ आप हील भी पहन सकती हैं। बेल्ट लगाएं: अगर आपकी गिंगम प्रिंट की स्कर्ट ढीली है तो उसमें बेल्ट लगाकर उसे स्टाइलिश बनाया जा सकता है। बेल्ट आपकी कमर को हाइलाइट करेगी और लुक को खास बनाएगी। इसके अलावा यह आपके पूरे लुक को एक नया आयाम देगा। बेल्ट चुनते समय ध्यान रखें कि वह आपकी स्कर्ट के रंग या प्रिंट से मेल खाती हो, ताकि आपका लुक संतुलित और मनोहर लगे। इस तरह आप आसानी से अपने गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को नया अंदाज दे सकती हैं।

बूट्स के साथ बनाएं सर्दियों वाला लुकः सर्दियों में गिंगम प्रिंट वाली स्कर्ट के साथ बूट्स पहनना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है, जिससे लंबाई भी बढ़ सकती है। ऊंची हील वाले बूट्स आपके लुक को और भी खास बनाएंगे और आपको ठंड से भी बचाएंगे। इसके अलावा आप इस मेल को किसी पार्टी या खास मौके पर भी पहन सकती हैं। बूट्स और गिंगम प्रिंट की स्कर्ट का यह मेल आपको स्टाइलिश और आरामदायक दोनों महसूस कराएगा।

BRIFF NEWS

Delhi Police Directed to Preserve CCTV Footage of Parliament March Violence

New Delhi, Agency: In the case related to the violence during the Parliament March on July 20 and the police action against students protesting alleged irregularities in the NEET-UG 2026 examination, the Patiala House Court has issued an important order. The court has directed the Delhi Police to preserve the CCTV footage related to the incident. It has also instructed the Station House Officer (SHO) of Parliament Street Police Station to submit a compliance report. The next hearing in the case will be held on August 18. Judicial Magistrate First Class Kautuk Bhardwaj, in his order, directed the Parliament Street Police Station to ensure that the CCTV footage of the July 20 incident is preserved. However, if the footage has already been preserved under the orders of any other court, no separate action will be required.

Government May Extend CCTV-Like Restrictions to Other Sensitive Sectors;

New Delhi, Agency: The government may extend the restrictions currently applicable to the CCTV sector to other sensitive sectors as well and support Indian chip designers in developing technologies that help build a trusted supply chain for security-related products. Addressing a Confederation of Indian Industry (CII) event on semiconductors on Thursday, Electronics and IT Secretary S. Krishnan said that while manufacturing chips in the country, it is equally important to ensure that there is a market for them. He said the issue was primarily one of national security, as many CCTV cameras contain chips and other active components sourced from countries that do not undergo adequate security scrutiny.

Parking Buses in Yamuna Floodplain Proves Costly Delhi High Court Upholds 11 Lakh Fine

New Delhi, Agency: The Delhi High Court has upheld a ?11 lakh penalty imposed on a school bus operator for parking 22 buses in the Yamuna floodplain. A Bench of Justice Jasmeet Singh observed that commercial parking in an environmentally sensitive area is illegal in itself and cannot be justified merely because the buses were not involved in dumping waste. Making the observation, the Bench dismissed the petition filed by a transport business operator that provides eco-friendly CNG buses for transporting schoolchildren.

"Permission Was Deliberately Not Sought": Police Repeatedly Urged Compliance, but Saurabh Das and Ashutosh Ranka Ignored the Rules

New Delhi, Agency: As the investigation into the large-scale violence that erupted in New Delhi district during the Cockroach Janata Party (CJP) protest progresses, more details about the party's actions are coming to light. CJP had called upon youth and students from across the country through social media to gather in Delhi on July 20 for a "Parliament March."

During this period, the Delhi Police repeatedly contacted the party's spokespersons, Saurabh Das and Ashutosh Ranka, urging them in writing to obtain official permission for the march. However, both leaders outright rejected the police request. As a result, thousands of people who had gathered from across the country allegedly took the law into their own hands and marched towards Parliament.

When the Delhi Police and Central Armed Police Forces attempted to stop them at Raisina Road, Jantar Mantar, Parliament Street, Janpath, and Tolstoy Road, violent clashes broke out between the protesters and the security forces. The situation became extremely serious when the crowd broke through a three-layer barricade at Raisina Road and reached close to the main gate of the Parliament House. Commandos deployed for Parliament's internal security were reportedly compelled to point their rifles toward the crowd.

The police also asked them to provide details of the proposed march route, the roads leading to Parliament, and the estimated number of participants. Officials further explained that since Parliament was in session, the area housed the residences of several Union Ministers and other highly sensitive VVIP security zones.

Police Continued Pressuring Them Between July 16 and 19... According to a senior Delhi Police official, between July 16 and July 19, police officers met both spokespersons every day and repeatedly urged them to submit a written application seeking permission for the Parliament March.

ECL Urges Staff to Use Khanan Prahari App to Curb Illegal Mining

CMD Satish Jha appeals to employees and stakeholders to support technology-driven vigilance against illegal coal mining and theft

Sanctoria: Eastern Coalfields Limited (ECL) has launched a renewed awareness campaign urging its employees and stakeholders to download and actively use the Khanan Prahari mobile application to help combat illegal coal mining and coal theft. The initiative is aimed at strengthening vigilance through public participation and technology-enabled reporting. ECL Chairman-cum-Managing Director Satish Jha appealed to the workforce to extend full cooperation by using the app responsibly and encouraging others to do the same. He said collective vigilance and active participation are essential for protecting the nation's valuable coal resources and ensuring responsible mining practices.

Illegal coal mining and theft not only lead to significant losses of national assets but also pose serious risks to worker safety, environmental sustainability and the well-being of nearby communities. To address these concerns, the Ministry of Coal, Government of India, has introduced the Khanan Prahari mobile application as a digital platform for reporting incidents related to illegal mining.

The app enables users to promptly share information with the concerned authorities, allowing quicker verification and appropriate action against illegal activities. ECL has encouraged all employees to create greater awareness about the application among colleagues and the public, stressing that community participation and digital vigilance are key to protecting coal reserves and promoting transparent, accountable and sustainable mining operations across the coalfields.

Death of Chinkara Deer at Delhi Zoo Exposes Gross Negligence

Administration Remains Silent

New Delhi, Agency: Negligence during repair work at the zoo proved fatal for a male chinkara deer. A plastic cement bag left near the enclosure got entangled in its horns. Frightened, the chinkara ran around the enclosure for a long time. As the bag covered its eyes, it was unable to see. During the ordeal, one of its horns broke and it sustained serious injuries.

Sources alleged that no keeper was present at the spot at the time of the incident and that the security arrangements were inadequate. The injuries were so severe that the chinkara was unable even to stand.

Its Leg Was Also Fractured: During treatment, it was discovered that one of its legs had also been fractured. The chinkara died a few days later. The incident has raised serious questions about the zoo's safety arrangements and the repair work being carried out around the enclosures.

Did Not Receive Proper Treatment in Time: Zoo employees said the chinkara had been brought from Haryana about five years ago. It is alleged that the injured animal did not receive proper treatment in time, causing its condition to deteriorate until it eventually died. However, Zoo Director Dr. Sanjeet Kumar declined to comment on the death. He only stated that herbivorous animals sometimes sustain injuries while running inside enclosures or while being shifted to the animal house. He said all injured animals are immediately taken to the hospital for treatment.

At present, a total of 18 animals, both small and large, are undergoing treatment, rehabilitation, or hand-rearing (artificial rearing) at the zoo hospital. These include large carnivorous animals as well. The official added that they will be returned to their enclosures after recovering.

Tata Main Hospital Launches Dedicated Obesity Clinic

Jamshedpur : Obesity is becoming one of the biggest health challenges worldwide, affecting millions of people across all age groups. According to the World Health Organization (WHO), approximately one in eight people globally are living with obesity, with the number exceeding one billion. The prevalence of obesity has nearly tripled since 1975, largely due to changing lifestyles and dietary habits.

Obesity is not merely about being overweight. It is a serious health condition that increases the risk of several diseases, including hypertension, diabetes, heart ailments, joint problems, sleep apnoea and mental health issues. Regular health check-ups to monitor weight and counselling for lifestyle modification can play an important role in preventing obesity-related complications and promoting overall well-being.

AAP MLA Virender Singh Kadian, Son Among Those Booked for Attempt to Outrage Woman's Modesty and Assault

New Delhi, Agency: Delhi Cantonment Police have registered an FIR against Aam Aadmi Party (AAP) MLA Virender Singh Kadian, his son Ankit Kadian, and others on charges including attempting to outrage the modesty of a woman, assault, criminal intimidation, and abusive behaviour. The action was taken following a complaint lodged by a woman who runs a flower shop in a market in Delhi Cantonment. Police have registered a case under various sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) and initiated an investigation.

According to the complaint, the woman's family operates a flower shop in a market in Delhi Cantonment. At around 11 a.m. on July 18, a man arrived to collect a bouquet in the name of MLA Virender Singh Kadian. The woman alleged that when her parents asked for payment, the man refused, citing the MLA's name. He offered to pay ?300 instead of ?500 and declined to pay the remaining amount before leaving after issuing threats.

Delhi Cantonment Board Vehicle Arrived at the Shop: The woman alleged that shortly afterwards, a Delhi Cantonment Board vehicle arrived at the flower shop and removed its goods, causing financial loss to the family. The family then went to the MLA's office to lodge a complaint.

According to the complaint, the woman's mother was pushed and assaulted at the office. Other family members were also beaten. When they attempted to record the incident on a mobile phone, the people present allegedly attacked them.

Truth Behind Delhi Drug Control Department's Action: Medical Stores Continue Operating Despite Licence Cancellation

New Delhi, Agency: A major irregularity has come to light in the functioning of the Drug Control Department, which is responsible for cancelling the licences of medical stores that violate regulations. Even after their licences are cancelled, many medical stores resume operations within a few days under new names.

The department's action appears to exist only on paper. Over the past five years, the Drug Control Department has taken action against 173 medical stores in the capital for offences such as selling narcotic medicines and failing to maintain drug records.

26/11 Mumbai Attack Accused Tahawwur Rana Allowed to Speak to Daughter Over Phone

New Delhi, Agency: A Special NIA Court has granted Tahawwur Hussain Rana, an accused in the 26/11 Mumbai terror attacks, permission to speak with his daughter over the phone. The court allowed the conversation to enable him to discuss matters related to appointing a lawyer.

Special NIA Judge Prashant Sharma, at the Patiala House Court, allowed Rana's application during an in-camera hearing. Following the court's order, a copy of the directive was sent to the jail authorities.

Rana had sought permission from the court to speak over the phone with his daughter and his wife, Dr. Samraz Akhtar Rana. He had also requested permission to speak with his wife on the occasion of her upcoming birthday. However, the court has, for the time being, permitted him only to speak with his daughter so that they can discuss the appointment of a private lawyer. An advocate associated with the case stated that Rana had previously also been permitted to speak with his daughter, as she has been playing the primary role in deciding the appointment of his legal counsel. Tahawwur Hussain Rana was extradited from the United States to India on April 10, 2025. He is accused of being part of the conspiracy behind the 26/11 Mumbai terror attacks. Initially, the court had provided Rana with a lawyer through the Legal Services Authority. Later, Rana informed the court that he wished to appoint a private advocate of his choice. It was for this purpose that he sought permission to contact his family.